राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,23 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–296 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या पश्चिम बंगाल टूटेगा? उठी 2 राज्यों की मांग, बीजेपी का इनकार, तनाव के आसार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अलग-अलग राज्यों बनाने की मांगें सामने आई हैं। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी में नेता बंटे नजर आ रहे हैं। हालांकि, पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने साफ कर दिया है कि पार्टी इस तरह की किसी मांग का समर्थन नहीं करती है। इधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर तृणमूल कांग्रेस नेता की तरफ से की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा ने विधानसभा में प्रदर्शन किया।

क्या था मामला

भाजपा के बांकुरा से विधायका ओंदा अमरनाथ सखा ने दक्षिण बंगाल में पांच जिलों को लेकर अलग राज्य की मांग की है। उन्होंने कहा, पुरुलिया, बांकुरा, झारग्राम, पश्चिमी मिदनापोर और बीरभूम के लोग अनदेखी के शिकार हैं। मैं इन जिलों के लोगों से अनुरोध करता हूं कि अलग राज्य के दर्जे की मांग उठाएं और हमारी आवाज को मजबूत करें।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने यह भी कह दिया कि अगर पारर्टी पंचायत चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है, तो अलग राज्य की मांग केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सामने रखी जाएगी। खबर है कि इससे पहले विष्णुपुर से भाजपा सांसद सौमित्र खान की तरफ से भी इसी तरह की मांग उठाई गई थी। इधर, उत्तर बंगाल में भाजपा के कई निर्वाचित प्रतिनिधि भी अनदेखी का हवाला दे रहे हैं। ये नेता भी अलग राज्य की मांग उठा रहे हैं। हालांकि, भाजपा के प्रदेश या केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से इस मांग का समर्थन नहीं किया गया है। भाजप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष घोष ने कहा, हमारी पार्टी ऐसी मांग का समर्थन नहीं करती है। कुछ चुने हुए प्रतिनिधि अलग से राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं, लेकिन हमारे आलाकमान ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी इसका समर्थन नहीं करती है।

सेना में प्रमोशन को लेकर महिलाओं ने लगाया भेदभाव का आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 2 हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। सेना की उन 34 महिला अधिकारियों ने प्रमोशन में देरी का आरोप लगाया है, जिन्हें 2020 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर स्थायी कमीशन दिया गया था। स्ट में सोमवार को इस मामले पर सुनवाई हुई। अदालत ने केंद्र सरकार से इसे लेकर 2 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा, हम चाहते हैं कि इन सभी महिलाओं को वरिष्ठता दी जाए। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका 34 आवेदकों की ओर से दायर की गई है, जिनमें कर्नल (टीएस) प्रियंवदा ए मर्डीकर और कर्नल (टीएस) आशा काले भी शामिल हैं। ये दोनों स्थायी कमीशन वाली महिला अधिकारी हैं। इन्होंने 2 महीने पहले बुलाए गए विशेष चयन बोर्ड में भेदभाव का आरोप लगाया है। इनका दावा है कि उन पुरुष अधिकारियों के नाम भी प्रमोशन के लिए बढ़ाए गए, जो उनसे बहुत जूनियर हैं। अदालत ने सेना की ओर से पेश हुए सीनियर वकील आर बालासुब्रमण्यन से पूछा, आप पुरुष अधिकारियों के लिए चयन बोर्ड का गठन कर रहे हैं, जबकि महिलाओं के लिए नहीं। आखिर ऐसा क्यों किया जा रहा है? इस पर बालासुब्रमण्यन ने कहा कि 150 अतिरिक्त पदों के लिए महिला अधिकारियों की खातिर विशेष चयन बोर्ड बुलाया जाएगा जो कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिलने के अंतिम चरण में है। सेना की ओर से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि अगली सुनवाई की तारीख तक कोई आदेश पारित न किया जाए। उन्होंने भरोसा दिया कि महिला आवेदकों की शिकायत का समाधान जल्द ही हो जाएगा। सेना की से आश्वासन मिलने पर उच्चतम न्यायालय की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई 2 हफ्ते के लिए स्थगित कर दी। माना जा रहा है कि इन 14 दिनों के भीतर ही महिलाओं के प्रमोशन को लेकर बोर्ड का गठन किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में कामबंद हड़ताल, ओपीडी में भी नहीं मिलेगा उपचार

भोपाल। मेडिकल कॉलेजों में प्रशासनिक अफसरों की पदस्थापना के खिलाफ मेडिकल टीचर्स एकजुट हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर कैबिनेट इस संबंध में प्रस्ताव को पास करती है, तो इसके विरोध में भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी 13 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मंगलवार को काम बंद हड़ताल की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मेडिकल कॉलेजों में ब्यूरोक्रेट्स (आईएएस, एसएएस) अफसरों की तैनाती करने के फैसले की जानकारी लगने के बाद से इसका विरोध शुरू हो गया है। मेडिकल कॉलेजों में डीन और अधीक्षकों के साथ डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारियों की तैनाती का प्रस्ताव कैबिनेट में आने की जानकारी मिलने के बाद सोमवार को प्रदेश के सभी 13 मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत सभी मेडिकल टीचर्स ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जताया था। इस संबंध में संयुक्त रूप से मेडिकल टीचर्स का कहना है कि हमने अफसरों को पत्र लिखकर मिलकर अपनी बात रखने के लिए समय मांगा था लेकिन किसी के पास हमारी बात सुनने का समय नहीं है। अब हम मंगलवार से काम बंद हडताल करेंगे। कैबिनेट से इस प्रस्ताव की मंजूरी मिली तो मंगलवार 22 नवंबर को काला दिवस मनाते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारी और चिकित्सक काम बंद रखेंगे। पीएमटीए के अध्यक्ष डॉ.राकेश मालवीय ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि विभागीय अधिकारी अव्यवहारिक फैसले ले रहे हैं। इसके विरोध में मंगलवार से कामबंद हड़ताल करेंगे। सिर्फ इमरजेंसी में ही डॉक्टर सेवाएं देंगे। हड़ताल के दौरान ओपीडी से लेकर सर्जरी तक बंद रहेंगी। डॉक्टरों ने ये फैसला किया है कि पोस्टमार्टम भी नहीं किए जाएंगे।

जम्मू में बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया ढेर, दूसरे को पकड़ा

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के चौकस जवानों ने मंगलवार सुबह जम्मू जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया और सांबा में एक अन्य घुसपैठिये को पकड़ लिया।

बीएसएफ के एक प्रवक्ता के मुताबिक सेना के चौकस जवानों ने अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादी को आज सुबह मार गिराया। जो भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहा था। घुसपैठिये को बीएसएफ के जवानों ने सीमा पार नहीं करने की चेतावनी दी और उसे वहीं रुकने को कहा गया, लेकिन सेना की चेतावनी के बावजूद

उसने कोई ध्यान नहीं दिया। जिस पर जवानों ने उस पर गोली चला दी और वह मारा गया। इसके बाद इलाके में तलाश अभियान जारी है।

प्रवक्ता ने कहा कि एक अन्य घटना में सैनिकों ने आज तड़के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते समय बाड़ के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ लिया।

अधिकारी ने कहा कि पकड़े गए घुसपैठिये के पास से अभी तक कोई आपत्तिजनक सामाग्री नहीं मिली है।

ईडी ने बीआरडी ग्रुप, उसके चेयरमैन और 5 अन्य के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को कहा कि उसने बीआरडी ग्रुप आफ कंपनीज के अध्यक्ष विलियम वर्गीज और पांच अन्य के खिलाफ एर्नाकुलम में एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) दायर की है।

ईडी ने आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत केरल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लान्ड्रिंग की जांच शुरू की। ईडी ने कहा कि आरोपियों ने वैधानिक अधिकारियों की मंजूरी के बिना विभिन्न निवेशकों से प्रति वर्ष 18त्न ब्याज का वादा करके बड़ी रकम एकत्र की थी। बाद में, उन्होंने जमाकर्ताओं को 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले समूह की कंपनियों के शेयरों को जारी या स्थानांतरित कर दिया, इस प्रकार एकत्र किए गए धन के बदले शेयर की कीमत 120 रुपये प्रति शेयर तय की।

निवेशकों को यह भी आश्वासन दिया गया था कि बाद में कंपनियों द्वारा शेयरों को 120 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से फिर से खरीदा जाएगा। लेकिन निवेशकों को न तो आश्वासन के रूप में 18 प्रतिशत का रिटर्न दिया गया

और न ही शेयरों की पुनर्खरीद की गई।

अभियुक्तों ने मूल राशि वापस करने से इनकार कर दिया था और इस तरह निवेशकों को धोखा दिया गया जिसके परिणामस्वरूप आरोपी व्यक्तियों की अवैध समृद्धि हुई। ईडी को जांच में पता चला कि सी.सी. बीआरडी समूह के अध्यक्ष विलियम वर्गीस ने अपने सहयोगियों की सहायता से विभिन्न व्यक्तियों को बीआरडी समूह की कंपनियों में निवेश करने के लिए राजी किया था।

ईडी ने कहा, इस तरह एकत्र की गई राशि के हिस्से से है, जो कि अपराध की आय (पीओसी) के अलावा और कुछ नहीं है, उसने अपने नाम पर अपनी पत्नी मैरी विलियम्स के साथ संयुक्त रूप से और अपनी कंपनियों के नाम पर कई अचल संपत्तियां खरीदी थीं। अर्थात् बीआरडी कार वर्ल्ड लिमिटेड और एसएमएल फाइनेंस लिमिटेड। सभी अभियुक्तों ने धोखाधड़ी के सामान्य इरादे से काम किया और इस तरह मनी-लान्ड्रिंग का अपराध किया। वर्गीज को ईडी ने 2021 में गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। हाल ही में ईडी ने पीओसी के खिलाफ 7.50 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया था, जिसकी पुष्टि निर्णायक प्राधिकरण (पीएमएलए), नई दिल्ली ने की थी। मामले में आगे की जांच जारी है।

पंजाब में हर असला लाइसेंस की घर-घर जाकर होगी जांच, पुलिस को मिले सख्त निर्देश

जालंधर। पंजाब में पिछले कुछ दिनों के दौरान घटित आपराधिक घटनाओं को भविष्य में रोकने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए पंजाब पुलिस ने राज्य में आज से आम लाइसैंसों की फिजिकल वैरीफिकेशन का कार्य शुरू करवा दिया है।

पंजाब पुलिस का मानना है कि राज्य में कई लोगों ने गलत पतों पर आर्म्स लाईसेंस बनवाए हुए हैं। माना जा रहा है कि इन आर्म्स लाइसैंसों को रद्द कर दिया जाएगा। डी.जी.पी. गौरव यादव द्वारा दिए निर्देशों के बाद पुलिस कमिश्नरों तथा एस.एस.पीज ने अपने-अपने

क्षेत्राधिकार में पुलिस अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। अब राज्य में प्रत्येक आर्म्स लाइसैंस की फिजिकल वैरीफिकेशन होगी। पंजाब पुलिस द्वारा अब वैरीफिकेशन के बाद रिपोर्ट तैयार करके डी.जी.पी. कार्यालय को भेजी जाएगी। पंजाब पुलिस की एक टीम ने सोशल मीडिया पर भी नजर रखनी शुरू कर दी है ताकि कोई व्यक्ति हथियारों के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड करता है तो उसके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की जाएगी।

इंडोनेशिया में आए भूकंप से मरने वालों संख्या 162 हुई, सैंकड़ों घायल

जावा। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में सोमवार को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या मंगलवार को अभी तक बढ़कर 162 हो गयी है और सैकड़ों लोग घायल हैं।

जावा के गवर्नर रिदवान कामिल ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 162 हो गई है। उन्होंने कहा कि मरने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि भूकंप के वक्त स्कूलों में पढ़ने वाले ज्यादातर बच्चे अपनी पढ़ाई खत्म होने के बाद इस्लामिक स्कूल में तालीम ले रहे थे।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी (बीएनपीबी) ने कहा है कि आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या 62 बतायी गयी है।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक कल पश्चिम जावा के सियानजुर शहर में 5.6 तीव्रता का भूकंप 10 किमी की गहराई में आया था।

श्री कामिल ने बताया कि भूकंप के बाद इमारतों के मलबे से सैंकड़ों लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कई लोगों को उपचार अस्पतालों के परिसर में किया जा रहा है। राहत एवं बचाव अभियान पूरी रात चलता रहा ताकि अन्य लोगों को बचाने की कोशिश की जा सके। जो अभी भी ढही हुई इमारतों के मलबे में फंसे हुए हैं। जिस क्षेत्र में भूकंप आया वह घनी आबादी वाला है और भूस्खलन की भी आशंका जतायी गयी है। भूकंप के झटकों स कई क्षेत्रों में घर मलबे में तब्दील हो गए हैं।

स्थानीय मीडिया से बात करते हुए श्री कामिल ने कहा कि भूकंप में लगभग 326 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से अधिकतर लोगों की ढहे हुए इमारतों के मलबे में दबने से हड्डियां टूट गयी हैं। उन्होंने कहा अभी भी कुछ निवासी अलग-अलग स्थानों में फंसे हुए है और आशंका जतायी की मृतकों और घायलों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

पश्चिम जावा के गवर्नर ने कहा कि 13,000 से अधिक लोग आपदा से विस्थापित हुए हैं और भूकंप से 2,200 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। सियानजुर शहर में प्रशासन के प्रमुख हरमन सुहरमन ने कहा कि लोगों को ज्यादातर चोटें इमारतों में मलबे में फंसे से लगी हैं और उनकी हड्डियां टूट गयी है।

उन्होंने कहा कि अधिकारी देश के सुदूर इलाकों में भूकंप से हताहत हुए लोगों की संख्या के संबंध में अभी भी जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को आए भूकंप के बाद भी 25 झटके महसूस किए गए हैं।

फिजियोथैरेपिस्ट नहीं रेपिस्ट, आप मंत्री सत्येंद्र जैन के मसाज वीडियो पर बड़ा 'खुलासा'

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल में मिल रहे %मसाज% को आम आदमी पार्टी (आप) ने सर्जरी के बाद फिजियोथैरेपी करार दिया था। अब तिहाड़ जेल प्रशासन के सूत्रों ने बताया है कि वीडियो में पैर की मसाज करता दिख रहा शख्स फिजियोथैरेपिस्ट नहीं बल्कि रेप केस में बंद कैदी है। कैदी का नाम रिंकू है वह नाबालिग से रेप के केस में तिहाड़ जेल में बंद है। तिहाड़ जेल के अधिकारिक सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है। सीसीटीवी फुटेज में सत्येंद्र जैन के पैरों की मालिस करते दिख रहे शख्स की पहचान का खुलासा किया गया है। बताया गया है कि वह फिजियोथैरेपिस्ट नहीं, बल्कि कैदी रिंकू है। रिंकू पॉक्सो कानून की धारा 6 और आईपीसी की धारा 376,506 और 509 के तहत आरोपी है।

शनिवार को सत्येंद्र जैन का मसाज वाला सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया था। तिहाड़ जेल में बंद सत्येंद्र जैन पैर और सिर पर मसाज करवाते दिख रहे थे। बिस्तर पर पड़े

टीवी के रिमोट और बोतलबंद मिनरल वॉटर को लेकर भी वीआईपी ट्रीटमेंट के आरोप लगे। भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल सरकार को घेरना शुरू किया तो दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया बचाव में उतरे। उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन की स्पाइन की सर्जरी हुई थी और डॉक्टरों ने उन्हें फिजियोथैरेपी लेने के लिए कहा था। खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजीरवाल ने भी सोमवार को राजकोट में पत्रकारों से बात करते हुए यही दलील दी। अब नए खुलासे के बाद भाजपा और कांग्रेस ने केजरीवाल सरकार की नए सिरे से घेराबंदी शुरू कर दी है। भाजपा ने %आप% से जवाब मांगा है तो सत्येंद्र जैन को किसी दूसरी जेल में शिफ्ट करने की मांग की है। कभी %आप% में रहीं कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया, डूब मरो केजरीवाल - बच्चियों के बलात्कारियों से जेल में बंद अपने नेताओं की मालिश करवाओगे, फिर बड़ी बेशर्मी से उनके बचाव में तुम उतर आओगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राहत की सांस

यह समझौता 14 दिन चली बहस के बाद अस्तित्व में आया है। जिसमें निर्णय हुआ है कि अमीर देश एक कोष बनाएंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन के त्रास से प्रभावित देशों में बाधित विकास को गति देने का काम किया जायेगा। कई धनी देशों द्वारा फंड बनाने के मार्ग में बाधा डालने के बावजूद विकासशील देश अपने मकसद में कामयाब हुए हैं।

जिसने दर्द दिया, वही दवा देगा

इसे पर्यावरण सम्मेलन कॉप-27 की सफलता ही माना जाना चाहिए कि क्लाइमेंट चेंज के प्रभावों से जूझ रहे देशों की मदद के लिये अमीर देश मुआवजा देने को राजी हुए हैं। इस सम्मेलन में दो सौ देशों में हुए समझौते से तीन दशक पुरानी वह मांग पूरी हुई, जिसमें विकसित देशों के कार्बन उत्सर्जन की तपिश से झुलस रहे विकासशील देशों को आर्थिक सहायता देने की बात शामिल थी। निस्संदेह, भारत जो दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में तीसरे स्थान पर है, उसे भी इस मुआवजे का लाभ मिल सकेगा। यह समझौता 14 दिन चली बहस के बाद अस्तित्व में आया है। जिसमें निर्णय हुआ है कि अमीर देश एक कोष बनाएंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन के त्रास से प्रभावित देशों में बाधित विकास को गति देने का काम किया जायेगा। कई धनी देशों द्वारा फंड बनाने के मार्ग में बाधा डालने के बावजूद विकासशील देश अपने मकसद में कामयाब हुए हैं। इन अग्रणी देशों में भारत समेत एशियाई देश, ब्राजील, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिकी देश शामिल थे। इन देशों ने यहां तक चेतावनी दे दी थी कि यदि इस फंड को लेकर सहमति नहीं बनती तो इसे सम्मेलन की विफलता माना जाना चाहिए। निस्संदेह, अफ्रीकी देश मिस्र में आयोजित सम्मेलन में यह कदम उन अफ्रीकी देशों के लिये राहतकारी साबित हो सकता है जो पिछले तीन सालों से सूखे की मार झेल रहे हैं। हालांकि, एक साल तक इस फंड के क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श होगा, लेकिन आगामी वर्षों के लिये राहतकारी रहेगा। इस मकसद के लिये बनने वाली कमेटी में 24 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। जो तय करेंगे कि फंड का उपयोग कैसे होगा, किस देश को कितना व किस आधार पर मुआवजा मिलेगा। महत्वपूर्ण यह भी कि सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन के लिये जिम्मेदार माना जाने वाला अमेरिका इस फंड के निर्माण के लिये तैयार हुआ है। यूरोपीय यूनियन भी सहमति जता चुकी है। दरअसल, अमीर देशों ने वर्ष 2009 में जलवायु परिवर्तन से होने वाली क्षति की पूर्ति के लिये मुआवजा देने की बात स्वीकारी थी, लेकिन यह वायदा आज भी अधूरा ही है। वर्ष 2020 तक गरीब-विकासशील देशों को हर साल सौ बिलियन डॉलर देने का वायदा था। यदि घोषणा सिरे चढ़ी होती तो पूर्वी अफ्रीका में ग्लोबल वार्मिंग के चलते खाद्य संकट से जूझते पौने दो करोड़ लोगों को राहत मिलती। अब तक जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर हुई वार्ताओं में ग्रीन हाउस गैसों को कम करने व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाव पर ही जोर रहता था, लेकिन अब ठोस राहत पर सहमति हुई है। तार्किक है कि औद्योगिकीकरण से ज्यादा फायदा उठाने वाले देश ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित देशों की मदद को राजी हुए हैं। इन देशों में अतिवृष्टि, सूखे, चक्रवाती तूफानों, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने व वनों की आग की घटनाओं में तेजी आई है। ऐसे में प्रभावित उन देशों को मदद देने की मांग की जाती रही है जिनकी कार्बन उत्सर्जन में ज्यादा भूमिका नहीं रही है। इन देशों में जहां आबादी वाले इलाकों, खेतों व व्यापारिक संस्थानों को नुकसान हुआ, वहीं व्यक्तियों, सांस्कृतिक विरासत तथा जैव विविधता को भी हानि हुई। आज विशेषज्ञ लगातार अध्ययन कर रहे हैं कि मुआवजे का निर्धारण-वितरण किस आधार पर किया जाये। एक अध्ययन के मुताबिक, दुनिया के पचपन देशों की आर्थिकी को पिछले दो दशक में एक ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। जिसमें आने वाले वर्षों में और वृद्धि की आशंका है। दरअसल, विकासशील देशों ने अपने प्रयासों से जो भी विकास के लक्ष्य हासिल किये थे, ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से वे निष्फल हो रहे हैं। उन पर कर्जों का दबाव बढ़ा है। सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल भारत में पिछले ढाई दशक में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी करीब 1058 आपदाओं को प्रभाव देखा गया।

सूक्ति

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज और नई स्फूर्ति प्रतिभा के लक्षण हैं। - विनोबा भावे

लोभी को धन से, अभिमानी को विनम्रता से, मूर्ख को मनोरथ पूरा कर के, और पंडित को सच बोलकर वश में किया जाता है। - हितोपदेश

लॉफिंग ज़ोन

वेटर (ग्राहक से)- सर यह रहा आपका नैपकीन।

ग्राहक (वेटर से)- न, न! मैंने नैपकीन प्लेट से उठा लिया है।

वेटर- क्षमा करें सर! आप रुमाली रोटी को नैपकीन समझ रहे हैं।

☺ ☺ ☺

भिखारी (राजू से)- साहब एक रुपया दे दो, कुछ खा लूंगा।

राजू (भिखारी से)- तुम्हें शर्म नहीं आती, सड़क पर खड़े होकर भीख मांग रहे हो।

भिखारी (खिसियाता हुआ)- तो क्या करूं साहब, भीख मांगने के लिए दफ्तर खोल लूं!

☺ ☺ ☺

ग्राहक (दुकानदार से)- आजकल नकली पान मसाला बहुत बिक रहा है। यह बताओ कि असली और नकली की क्या पहचान है।

दुकानदार (ग्राहक से)- असली पान मसाला खाने से व्यक्ति तीन वर्ष में अस्पताल या ऊपर पहुंच जाता है, जबकि नकली खाने से 5 से 8 साल देर से पहुंचता है।

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)- तुम तीन साल पहले भी एक रेनकोट चुराने के जुर्म में यहां आए थे।

चोर (जज से)- क्या करूं एक रेन कोट इससे ज्यादा चलता कहां है?

गांधीजी के बताए रास्ते पर तो नहीं चल पड़े राहुल गांधी?

माना जा रहा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा के जरिए, शिथिल पड़ी कांग्रेस में स्फूर्ति लाने और खोई गौरव-गरिमा को पुर्नस्थापित करना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब केरल से शुरू हुई। उस समय भाजपा ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था। 1 सप्ताह के अंदर ही भारत जोड़ो यात्रा को जो जनसमर्थन मिला। उसके बाद राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर उन्हें हतोत्साहित करने का प्रयास किया गया। राहुल गांधी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जैसे ही यह यात्रा कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में पहुंची।

(लेखक-सनत जैन)

भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जिस तरह से गांधीजी ने अंग्रेज़ों के खिलाफ दांडी पदयात्रा निकाली थी... गांधीजी को पूरे भारत में दांडी यात्रा से एक नई पहचान मिली। अंग्रेजों के खिलाफ़ लड़ाई का भारतीय चेहरा बना दिया था, उसी तरह से राहुल गांधी की सशक्त एवं लोकप्रिय राजनेता के रूप में पहचान बन रही है। वे देश में सर्वमान्य भारतीय चेहरा बनते जा रहे हैं। ऐसा लगने लगा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा के जरिए गांधीजी के रास्ते पर चल पड़े हैं। रिपोर्टस के अनुसार राहुल की भारत जोड़ो यात्रा जिस-जिस राज्य से गुजर रही है, लोगों का व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। पदयात्रा में राहुल सफेद टी-शर्ट और चेहरे पर बिखरी हुई, खिचड़ी दाड़ी में जिस सहज-सरल अंदाज में लोगों से मिल रहे हैं, उनसे संवाद कर रहे हैं, उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, लोगों को उनमें गांधीजी दिखने लगे हैं। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी मोदी सरकार के फैसलों से खिन्न होकर सांप्रदायिक सद्भाव, धार्मिक ध्रुवीकरण के खिलाफ, अमीर और गरीब की लड़ाई के खिलाफ, भारत जोड़ो यात्रा के जरिए भारत में फैली आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक तनाव के खिलाफ, भारत को जोडने और जनजागरण का लक्ष्य लेकर देशभर की पदयात्रा पर निकले हैं। हालांकि कांग्रेस की इस भारत जोड़ो यात्रा के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा के जरिए, शिथिल पड़ी कांग्रेस में स्फूर्ति लाने और खोई गौरव-गरिमा को पुर्नस्थापित करना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब केरल से शुरू हुई। उस समय भाजपा ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था। 1 सप्ताह के अंदर ही भारत जोड़ो यात्रा को जो जनसमर्थन मिला। उसके बाद राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर उन्हें हतोत्साहित करने का प्रयास किया गया। राहुल गांधी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जैसे ही यह यात्रा कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में पहुंची। उसके बाद भाजपा भारत जोड़ो यात्रा को लेकर गंभीर हुई है। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी पर उपचुनाव पराजय, हिमाचल एवं गुजरात के विधानसभा चुनाव के दौरान उनका प्रचार के लिए नहीं पहुंचने पर उनपर निशाना साधा गया। लेकिन इस मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा पहली बार भारत जोड़ो यात्रा के असर को लेकर चिंतित दिखाई दी। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस की नब्ज को पकड़ लिया है। अब वह वास्तव में नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं। कांग्रेस जब स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ रही थी। उस लड़ाई में जननायक के रूप में मोहनदास करमचंद गांधी चेहरा बने, सारी कांग्रेस उनके पीछे चल पड़ी। इतिहास बताता है कि मोहनदास करमचंद गांधी अंग्रेजों से प्रभावित थे। वह बैरिस्टर बने, लेकिन जब दक्षिण अफ्रीका में वह वकालत करने के लिए गए। तब अंग्रेजों ने उन्हें प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर निकाल कर फेंक दिया था। इस अपमान को गांधी जी सह नहीं पाए। वह भारत लौट आए, भारत आकर उन्होंने अब तक बैरिस्टर का कोट पेंट उतारकर एक धोती के दो हिस्से करके एक को पहना और एक को ओढ़ा। भारत में साधु-संतों की बड़ी इज्जत और उनके ऊपर आम जनता को विश्वास होता था। गांधी जी ने भी रबर की चप्पल पहनकर और हाथ में छोटी सी छड़ी लेकर जनता की परेशानियों

को लेकर आंदोलन करना शुरू कर दिया। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने का यह उनका सबसे बड़ा शस्त्र था। अंग्रेजों के सामने ना तो उनके पास कोई आर्थिक साम्राज्य था। नाही वह अंग्रेजों का मुकाबला करने की स्थिति में थे। महात्मा गांधी ने आम जनता जो अंग्रेजी साम्राज्य के दमन से पीड़ित थी, उसका साथ लिया। जनआंदोलन से दुनिया के सबसे शक्तिशाली अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, और विजयी हुए। कांग्रेस ने कभी किसी विचारधारा का नेतृत्व नहीं किया। कांग्रेस के इतिहास को देखें तो कांग्रेस एक आंदोलन की पार्टी थी। कांग्रेस ने सभी वर्गों को अपने साथ जोड़ा। अलग-अलग विचारधारा और अलग-अलग धर्मों के लोग कांग्रेस से जुड़े। आदिवासी और हरिजनों को भी कांग्रेस के साथ खड़ा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। छुआछूत के उस दौर में अछूतों को हरिजन कहकर उन्होंने समाज में एक नई पहचान दी। जिसके कारण अंग्रेजों के सामने निर्बल, कमजोर भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई में महात्मा गांधी, अंग्रेजों के लिए सबसे बड़े योद्धा बनकर सामने आए। जिन्होंने अंग्रेजों को पूरी तरीके से झुका दिया। भारत को स्वतंत्र कराने में अहिंसक आंदोलन की जो नई प्रेरणा विश्व को दी। उसका असर सारे विश्व के देशों में पड़ा। 2014 में केंद्र की सत्ता भाजपा के हाथों में आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया। चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और 70 साल में कांग्रेस के नेताओं को जमकर कोसा। कांग्रेस को भ्रष्टाचारियों की पार्टी बताया। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को पप्पू बेवकूफ नकारा बताने का जो अभियान, भाजपा ने चलाया था। उसमें गोदी मीडिया ने भी उनका साथ दिया। जिसके कारण राहुल गांधी अलग-थलग पड़ गए थे। भारत में यह नए तरीके की राजनीति थी। राहुल गांधी के ऊपर जिस तरह से व्यक्तिगत हमले किए गए। इससे उनका व्यथित होना स्वाभाविक था। यही समय था कि राहुल गांधी को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए कांग्रेस के इतिहास और अपने पूर्वजों को जानने का आपदा में अवसर मिला। कांग्रेस ने जन आंदोलन के माध्यम से, स्वतंत्रता आंदोलन की जो लड़ाई कांग्रेस लड़ रही थी। उस समय भी अंग्रेजों ने विभाजन के लिए हिंदू महासभा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मुस्लिम लीग की सहायता ली थी। 1906 में अंग्रेजों की सहायता से मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका में हुई। 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना हरिद्वार में हुई। उस समय भी हिंदू मुस्लिम के बीच ध्रुवीकरण कराकर स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास अंग्रेजों ने किया था। इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद 1926 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का गठन हुआ। जो सांस्कृतिक, राष्ट्रवाद विचारधारा को लेकर जन जन के बीच पहुंचकर स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करने, और अंग्रेजों के पक्ष में काम किया। इसके बाद भी स्वतंत्रता आंदोलन निरंतर परवान चढ़ता रहा। आजाद हिंद फौज और सुभाष चंद जैसे उग्रवादी नेता भी इसी कांग्रेस में पैदा हुए। राहुल गांधी ने अपने सबसे कठिन समय में कांग्रेस का इतिहास पढ़ा, उससे सबक लिया। उन्होंने जनता के मुद्दों को बड़ी मुखरता से उठाया। सरकारी उत्पीड़न के बाद भी वह वर्तमान सत्ता के मुकाबले खड़े हुए। जब सारा विपक्ष और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अपने अस्तित्व की रक्षा करने के लिए सत्ता के सामने मौन हो गए। सत्ता के इशारे पर काम करने लगे थे। ऐसे समय पर राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की जो असली ताकत थी। उसे समझा, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से वह भारत के सभी राज्यों की विभिन्न भाषाओं, खानपान, रहन-सहन और विचारधारा से जुड़ने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय पार्टी के रूप में इंदिरा गांधी के बाद कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और राष्ट्रीय विचारधारा से सभी राज्यों के जोड़ने के लिए राष्ट्रीय पार्टी के लिए काम नहीं किया था। जिसके कारण क्षेत्रीय दल मजबूत हुए। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में जिस तरह से, वह गरीबों, किसानों , बच्चों से जुड़ रहे हैं। दक्षिण भाषा के राज्यों की संस्कृति और खानपान से जुड़कर आदमी से रिश्ता बना रहे हैं। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली एवं सामाजिक धार्मिक भेदभाव के खिलाफ जो अलख जगा रहे हैं। राहुल गांधी की सादगी सहजता सरलता को देखते हुए, आम आदमी पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने 2013 के चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी की छवि शहजादे के रूप में बनाई थी। केंद्र की सत्ता में आने के बाद चुनावी राजनीति में कांग्रेस की लगातार पराजय से उनकी छवि एक कमजोर और बेवकूफ नेता के रूप में बनाने का, जो अभियान चल रहा था।

बिना दवा के ही स्वस्थ रहने का मंत्र

डॉ. धर्मेंद्र वशिष्ठ

सबसे पहले महात्मा गांधी ने देश में प्राकृतिक चिकित्सा को आमजन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया था। देश के अलग-अलग भागों में स्थापित प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र आज भी मानवता के कल्याण की अलख जगा रहे हैं। देश में अन्य प्राकृतिक चिकित्सालय के साथ ही उन्होंने हरियाणा में भी इस अभियान की शुरुआत की, जिसमें गांधी आश्रम पट्टी कल्याणा समालखा भी शामिल है। दरअसल, पंचतत्व से बने इंसान के उपचार के लिये प्रकृति के पांचों तत्वों से चिकित्सा करना ही प्राकृतिक चिकित्सा के मूल सिद्धांत हैं। यह सर्वविदित सत्य है कि हमारा शरीर भी पंच तत्वों से बना है, ऐसे में यदि हम प्रकृति के विपरीत चलेंगे तो प्रकृति हमें व्याधि के रूप में सजा देती है। इसलिए हर किसी को प्रकृति के अनुरूप ही चलना चाहिए। प्रकृति को अपनाना चाहिए। मिट्टी, पानी धूप, हवा एवं आकाश तत्व की प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को गांधी जी ने गांव-गांव में प्रचार-प्रसार करके पहुंचाया। प्राकृतिक चिकित्सा ने लोगों को बिना दवा के स्वस्थ रहने का मंत्र दिया परंतु वह मंत्र आधुनिक युग में दूर होता नजर आ रहा है। गांधी जी की सोच यह थी कि भारत के अधिकतर लोग गांव में बसते हैं तथा भारत एक कृषि प्रधान देश है। गांव में लोगों के पास पैसों का अभाव होने की वजह से लोग अपनी चिकित्सा नहीं करवा सकते। लेकिन वर्तमान में स्थिति यह है कि अधिकतर मेट्रोपॉलिटन सिटी या बड़े शहरों के बड़े लोगों की जरूरत प्राकृतिक चिकित्सा बनती जा रही है। उनका मुख्य कारण यह भी है कि गांव के लोग परिश्रमी होते हैं। वहीं उनका भोजन भी शुद्ध सात्विक होता है। शहरों में पानी-दूध, साग-सब्जी शुद्ध नहीं रहते। कंप्यूटर के इस युग में लोग मानसिक कसरत अधिक कर रहे हैं। शारीरिक कसरत बिल्कुल भी नहीं हो रही है। इसलिए रोगों का प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ता जा रहा है, जो चिंतनीय है। दरअसल, लोगों के पास वैकल्पिक चिकित्सा का विकल्प नहीं है। हर समझदार व्यक्ति दवा लेने से बचता है क्योंकि पढ़े-लिखे समझदार व्यक्ति को मालूम है कि दवाओं से शरीर पर दुष्प्रभाव आएगा। पिछले दिनों भारत में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय ने विदेशों से आने वाले लोगों के लिये स्पेशल वीजा का प्रावधान किया है। यदि वे अपना उपचार करवाने के लिए भारत देश में किसी प्रकार की कोई बेहतर चिकित्सा लेने के लिए आएंगे तो पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। हमारे शरीर में 70 प्रतिशत पानी है, वहीं पृथ्वी पर भी 70 प्रतिशत जल है तो प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार का केंद्र भी 70 प्रतिशत जल चिकित्सा का हिस्सा है। मिट्टी चिकित्सा की यदि हम बात करें तो लोगों में बढ़ रहे पाचन संबंधी रोग में अदे्भुत लाभ मिल रहा है। वहीं चर्म रोग, मोटापा से ग्रस्त लोग, इसके अलावा डिटॉक्सिफिकेशन के लिए मिट्टी चिकित्सा बहुत ही महत्वपूर्ण है जो कि हर रोगों का खात्मा कर देती है। प्राकृतिक चिकित्सा के भौतिक सिद्धांत में आहार-विहार एवं व्यवहार पर बल दिया गया है। जब व्यक्ति का मन बीमार होता है तब स्वयं को यातना सहनी पड़ती है। प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में बात करें तो जैसे कि हम एक गाड़ी ठीक से चले तो सर्विस कराते हैं। वहीं मोबाइल को भी चार्ज करते हैं। तो फिर स्वयं को चार्ज क्यों नहीं करते? जब तन परेशान होता है तो उसके लिए भी सर्विस की आवश्यकता पड़ती है। कहने का तात्पर्य यह है कि व्यक्ति को भी अपने तन-मन की साधना के लिए वर्ष

में दो बार योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करना चाहिए। आहार चिकित्सा की यदि हम बात करें तो शास्त्रों में भी कहा गया है कि आहार ही औषधि है। सात्विक व संतुलित आहार लेने से व्यक्ति को रोग नहीं होता। शुद्ध आहार के अभाव में व्यक्ति आज फार्महाउस में शुद्धता व शांति प्राप्त करने के लिए जा रहा है तथा जैविकता पर बल देता नजर आ रहा है। 21वीं सदी का आधुनिक जीवन मशीनीकरण से युक्त होता जा रहा है। उसको सांसारिक रिश्तों का भी पता नहीं है। मानसिक रोगों का दिन-प्रतिदिन बढ़ना यह दर्शाता है कि व्यक्ति आध्यात्मिकता से दूर होता जा रहा है, वह ध्यान करना छोड़ चुका है। जो जीवन सुधार के लिए तय है। यह बातें व्यक्ति जानकर भी अनजान है। आज हर किसी को आवश्यकता है उस पाठशाला की, जो सही मार्ग दिशा दे सकती है। ऐसी पाठशाला प्राकृतिक चिकित्सा ही है। दरअसल, इसी मकसद से राजग सरकार ने प्राकृतिक चिकित्सा को गंभीरता से लिया और वर्ष 2018 में प्रथम प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का शुभारंभ किया है। सदियों से चली आ रही इस समृद्ध विरासत को हम पुनः प्रतिष्ठा दे पाये तो हमारा जीवन व स्वास्थ्य भी सार्थक हो जायेगा।

(चिंतन-मनन)

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा - अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का। असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिसंबर सोना वायदा 52,451 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

मुंबई । सकारात्मक वैश्विक रुझानों के कारण सोने की दर सकारात्मक थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर सोना वायदा 159 रुपये तेजी के साथ 52,451 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार पहुंच गया। एमसीएक्स पर चांदी के दिसंबर वायदे में 570 रुपये की तेजी के साथ 61,205 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर डॉलर के पीछे हटने से मंगलवार को सोने में तेजी आई। व्यापारियों ने फेड द्वारा मौद्रिक दरों में की जाने वाली बढ़ोतरी को देखकर नए दांव लगाए। इससे हाजिर सोना 0.3 प्रतिशत बढ़कर 1,743.07 डॉलर प्रति औंस हो गया। अमेरिकी सोना वायदा 0.3 प्रतिशत बढ़कर 1,744.50 डॉलर हो गया। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की। वायदा बाजार में मंगलवार को सोना 98 रुपये की तेजी के साथ 52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोने का दिसंबर डिलीवरी का अनुबंध 98 रुपये या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,390 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जिसमें 4,580 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों की ताजा पोजीशन से सोने की कीमतों में तेजी आई। सोमवार को जैसे ही डॉलर चढ़ा, सोने की कीमतों में लगभग 1 प्रतिशत की कमी आई। चीन में ताजा कोरोना प्रतिबंधों के बीच अन्य मुद्राओं के लिए सोना अधिक महंगा हो गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में अपनी बैठक में 50-आधार बिंदु की वृद्धि की घोषणा करने का अनुमान है। इसके चलते सोने की कीमतों पर दबाव बने रहने का अनुमान है।

एसएंडपी ने एक्सिस बैंक की बढ़ाई रेटिंग

नई दिल्ली । एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को एक्सिस बैंक के लिए अपनी क्रेडिट रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ बढ़ा दिया। रेटिंग एजेंसी को उम्मीद है कि निजी क्षेत्र का ऋणदाता अगले दो वर्षों में संपत्ति की गुणवत्ता को अच्छी स्थिति में बनाए रखेगा। एसएंडपी ने कहा कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि से उधारकर्ताओं की साख को समर्थन मिलना चाहिए और एक्सिस बैंक का फंसा हुआ कर्ज या एनपीए मार्च 2023 के अंत तक कुल ऋण के मुकाबले घटकर 2.5-3 प्रतिशत तक आ सकता है, जो 31 मार्च 2022 को 3.7 प्रतिशत था। एसएंडपी ने कहा कि एक्सिस बैंक उच्च मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के प्रभाव को अवशोषित कर सकता है। एक्सिस बैंक की दीर्घकालिक और अल्पकालिक क्रेडिट रेटिंग को बीबीप्लस/बी से बढ़ाकर बीबीबी-/ए-3 कर दिया गया है।

एडब्ल्यूएस ने भारत में दूसरा अवसंरचना क्षेत्र शुरू किया

हैदराबाद । अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने मंगलवार को भारत में अपने दूसरे अवसंरचना क्षेत्र एडब्ल्यूएस एशिया प्रशांत (हैदराबाद) क्षेत्र की शुरुआत कर दी है। प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी ने बताया कि मंगलवार से डेवलपर्स, स्टार्टअप और उद्यमियों के साथ ही सरकार, शिक्षा तथा गैर-लाभकारी संगठनों के पास भारत में स्थित डेटा केंद्रों से अपने अनुप्रयोगों को संचालित करने और अंतिम उपयोगकर्ताओं को सेवाएं देने के अधिक विकल्प होंगे। बयान में कहा गया कि डेटा एनालिटिक्स, सुरक्षा, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित नवाचार के लिए ग्राहकों के पास उन्नत एडब्ल्यूएस प्रौद्योगिकियों तक पहुंच होगी। अमेजन डेटा सर्विसेज में अवसंरचना सेवाओं के उपाध्यक्ष प्रसाद कल्याणरमन ने कहा कि एडब्ल्यूएस एशिया प्रशांत (हैदराबाद) क्षेत्र की शुरुआत से भारत के डिजिटल रूपांतरण को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2011 में अपना पहला कार्यालय खोलने के बाद से यह देश में हमारे दीर्घकालिक निवेश का हिस्सा है। भारत में ग्राहकों और भागीदारों के पास अब अनुप्रयोगों के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचा समर्थन होगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के तहत %इंडिया क्लाउड% बड़े विस्तार और नवाचार के लिए तैयार है। डेटा केंद्र डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण तत्व हैं।

आरबीआई ने एचडीएफसी और केनरा बैंक को रूस के साथ व्यापार करने दी अनुमति

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के दो अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक व कैनरा बैंक को विशेष वोस्त्रो अकाउंट खोलकर रुस के साथ रुपए में कारोबार करने की इजाजत दी है। वोस्त्रो खाते ऐसे खाते हैं जो एक बैंक दूसरे जो अक्सर विदेशी बैंक होते हैं की ओर से रखता है। यह बैंकिंग लेनदेन का एक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने यह कदम भारत और रूस के बीच होने वाले व्यापार का सेटलमेंट रुपए हो, यह सहूलियत देने के लिए उठाया है। इस फैसले के बाद अब सीमा पार के लेनदेन भारतीय मुद्रा में भी हो सकेंगे। इससे पहले, सरकार ने भारतीय रुपए में विदेशी व्यापार की सुविधा देने के लिए आरबीआई से अनुमति के बाद दो भारतीय बैंकों के साथ नौ विशेष वोस्त्रो खाते खोले थे। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कारोबार के आंकड़े जारी करते हुए कहा था कि अब तक नौ वोस्त्रो खाते खोले जा चुके हैं। जिनमें एक यूको बैंक में, एक एबीईआर बैंक में, एक वीटीबी बैंक जबकि छह इंडसइंड बैंक के साथ खोले गए हैं। यह छह रूस के अलग-अलग बैंक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने नई व्यवस्था को लोकप्रिय बनाने में मदद करने के लिए इन विशेष वोस्त्रो खातों को भारत सरकार की प्रतिभूतियों में अधिशेष राशि का निवेश करने की अनुमति दी है।

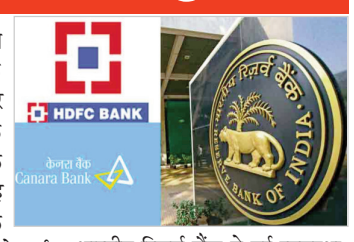

सौंदर्य उत्पाद की खरीदारी के लिए नए एआर फीचर पेश करेगा गूगल

सैन फ्रांसिस्को ।

गूगल सौंदर्य उत्पादों की खरीदारी करने के लिए नया एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) फीचर लांच करने की योजना बना रहा है। मेकअप में फाउंडेशन सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली कैटेगरी है। गूगल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि यह आपके द्वारा खरीदे जा सकने वाले सबसे व्यक्तिगत उत्पादों में से एक है, जो कलर या टोन में थोड़ा सा बदलाव के साथ एक बड़ा अंतर ला सकता है। ब्यूटी ब्रांडों की सहायता से गूगल की नई फोटो लाइब्रेरी में 148 मॉडल हैं जो स्किन टोन, उम्र, लिंग, चेहरे के आकार, जातीयता और त्वचा के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ब्लॉगपोस्ट के अनुसार इस फीचर का उपयोग करने के लिए यूजर्स को 'क्लिनिक इवन बेटर फाउंडेशन' जैसे कीमतों और ब्रांडों की एक श्रृंखला में गूगल पर फाउंडेशन शेड को सर्च करने की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, नया फीचर उपयोगकर्ताओं को 3डी और एआर में उत्पादों को आजमाने की भी अनुमति देती है। ब्लॉगपोस्ट में आगे कहा गया कि उपयोगकर्ताओं को स्वीकर प्रकार की खोज करनी होगी, जैसे 'शॉप ब्लू वैन्स स्नीकर्स' और व्यू इन माय स्पेस' पर टैप करें।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह बढ़त दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इसी के साथ ही घरेलू शेयर बाजारों में पिछले तीन दिन से जारी गिरावट रुक गयी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 274.12 अंक तकरीबन 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 61,418.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.25 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आकर 18,244.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहने के साथ ही उछले हैं। वहीं दूसरी ओर नेस्ले, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। वहीं यूरोपीय बाजार भी बढ़त में रहे, जबकि एशिया के बाजारों में मिश्रित रुख दिखा। जापान का निक्की ऊपर आया जबकि हैंगसेंग उछला है। निफ्टी के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 1.5 फीसदी से अधिक की बढ़त रही। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों मे शामिल 12 शेयरों में से 11 लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। यूको बैंक का शेयर आज 12 फीसदी से अधिक बढ़ा जबकि बैंक ऑफ इंडिया का तकरीबन 5 उछलकर बंद हुआ है। इसके अलावा जेएंडके बैंक , पंजाब नेशनल बैंक , और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के शेयरों में भी 3 फीसदी के अधिक उछाल आया। केवल बैंक बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर नीचे आये। वहीं निफ्टी के विभिन्न इंडेक्सेज़ की बात करें तो निफ्टी उर्जा को छोड़कर शेष सभी क्षेत्रों में बढ़त रही। निफ्टी आईटी में 0.80 फीसदी से अधिक का उछाल है , वहीं निफ्टी फार्मा और ऑटो भी लगभग आधा फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। दूसरी ओर कच्चा तेल 0.67 फीसदी की बढ़त के साथ 88.04 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

रुपये तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया उछला है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.67 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जबकि अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.72 पर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 81.64 के दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद 81.83 के निचले स्तर पर पहुंचा गया। वहीं अंत में यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 12 पैसे की तेजी के साथ 81.67 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया पांच पैसे नीचे आकर 81.79 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रुपये को पिछले पांच दिन में पहली बार बढ़त मिली है। डॉलर में आई कमजोरी के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में सुधार और एशियाई मुद्राओं के मजबूत होने से भी रुपये को बल मिला। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 फीसदी की गिरावट के साथ 107.46 पर पहुंच गया।

ट्विटर-फेसबुक-अमेजन के बाद गूगल में भी छंटनी! अल्फाबेट 10 हजार कर्मचारियों को निकालेगी

(एजेंसी):

गूगल की मूल कंपनी, अल्फाबेट भी अब मेटा, अमेजन, ट्विटर के नक्शेकदम पर चल निकली है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी भी अब अपने 10,000 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रही है। कंपनी अपनी वर्क फोर्स को 6 प्रतिशत तक घटाने जा रही है। इसके तहत सबसे पहले 'खराब प्रदर्शन करने वाले' कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। द इन्फॉर्मेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने खराब कर्मचारियों पर नजर रखने के लिए एक नई रैंकिंग और प्रदर्शन सुधार योजना शुरू की है। इसके तहत कंपनी के राडार पर आए 10,000 कर्मचारियों को निकालने की योजना बना रहा है। इससे पहले टेक फर्म मेटा, अमेजन और ट्विटर भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को निकालने का ऐलान कर चुके हैं।

फिलहाल 1.87 लाख है गूगल की वर्कफोर्स

अल्फाबेट के पास लगभग 187,000 कर्मचारियों का कार्यबल है। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) फाइलिंग के अनुसार, पिछले साल एक अल्फाबेट कर्मचारी के लिए औसत मुआवजा लगभग 295,884 डॉलर था। अल्फाबेट ने तीसरी तिमाही (Qx) में 13.9 बिलियन डॉलर का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो कि एक साल पहले की तुलना में 27 प्रतिशत कम है, जबकि वैश्विक मंदी और मंदी की आशंकाओं के बीच राजस्व 6 प्रतिशत बढ़कर 69.1 बिलियन डॉलर हो गया।

अगले साल की शुरुआत से मिलेगी पिंक स्लिप

रिपोर्ट में कहा गया है, 'एक नई पर्फोर्मेंस इंप्रूवमेंट सिस्टम प्रबंधकों को अगले साल की शुरुआत में कमजोर प्रदर्शन करने वाले हजारों कर्मचारियों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है। प्रबंधक रेटिंग का उपयोग उन्हें बोनस और स्टॉक ग्रांट देने से बचने के लिए भी कर सकते हैं।' नई प्रणाली के तहत, प्रबंधकों को व्यवसाय के लिए उनके प्रभाव के संदर्भ में 6 प्रतिशत कर्मचारियों, या लगभग 10,000 लोगों को कम प्रदर्शन करने वालों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा गया है।

धीरे-धीरे बढ़ रही भागीदारी : निफ्टी-500 कंपनियों के निदेशक मंडल में 17.6 प्रतिशत महिलाएं

नई दिल्ली ।

विभिन्न कंपनियों के निदेशक मंडल (बोर्ड) में महिलाओं की भागीदारी क्रमशः बढ़ रही है। हालांकि, इसकी रफ्तार बेहद धीमी है। एक अध्ययन के मुताबिक इस साल मार्च के अंत में एनएसई में सूचीबद्ध शीर्ष 500 कंपनियों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत थी। सलाहकार फर्म इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक स्तर पर कॉरपोरेट निदेशक मंडल में औसतन 24 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व है। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें क्रमशः सुधार जारी है। 'कॉरपोरेट इंडियाः वूमेन ऑन बोर्ड्स' शीर्षक वाले अध्ययन में कहा गया है कि भारत में कंपनी के निदेशक मंडल बोर्ड में महिलाओं की नियुक्ति में प्रगति हुई है- 2014 में छह प्रतिशत से पांच साल पहले तक 14 प्रतिशत। इस समय निफ्टी-500 कंपनियों के निदेशकों में 17.6 प्रतिशत महिलाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला निदेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पिछले 3 सालों में इसकी रफ्तार सिर्फ एक प्रतिशत रही है। मौजूदा दर के आधार पर भारत में महिलाओं की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने में 2058 तक का समय लगेगा। इस साल मार्च में निफ्टी-500 कंपनियों में 4,694 निदेशक थे, जिनमें से 827 या 17.6 प्रतिशत महिलाएं थीं। आईआईएएस के प्रबंध निदेशक अमित टंडन ने कहा कि कॉरपोरेट जगत को बोर्ड में महिलाओं का कम से कम 30 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हासिल करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

अक्टूबर में 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.14 करोड़ रही घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू हवाई उड़ानों के यात्रियों की संख्या अक्टूबर में इससे पिछले माह की तुलना में 10 प्रतिशत बढ़कर 1.14 करोड़ हो गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सालाना आधार पर अक्टूबर में घरेलू यात्रियों की संख्या 27 प्रतिशत बढ़ी है। अक्टूबर 2021 में घरेलू एयरलाइंस ने 89.85 लाख लोगों को यात्रा कराई थी। वहीं, सितंबर 2022 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 1.03 करोड़ थी। कोविड-19 महामारी के कारण विमानन उद्योग काफी प्रभावित हुआ था। हाल के महीनों में हवाई यातायात पटरी पर लौटता दिख रहा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी अक्टूबर में पिछले माह की तुलना में घटकर 56.7 प्रतिशत रह गई। सितंबर में यह 58 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, विस्तार की घरेलू यात्रा में बाजार हिस्सेदारी भी सितंबर की तुलना में अक्टूबर में घटकर 9.2 प्रतिशत रह गई। सितंबर में यह 9.6 प्रतिशत थी। अगस्त में परिचालन शुरू करने वाली आकाश एयर की बाजार अक्टूबर में 1.4 प्रतिशत रही। सितंबर में यह 0.9 प्रतिशत थी। अक्टूबर में एयर इंडिया की बाजार हिस्सेदारी 9.1 प्रतिशत, स्पाइसजेट की 7.3 प्रतिशत और गो फर्स्ट की सात प्रतिशत रही। एयरएशिया इंडिया की बाजार हिस्सेदारी अक्टूबर में बढ़कर 7.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। अलायंस एयर की बाजार हिस्सेदारी भी मामूली बढ़त के साथ 1.3 प्रतिशत रही।

सरकार ने कोरोनरी स्टेंट को जरूरी दवाओं की सूची में किया शामिल

- एनपीपीए अब कोरोनरी स्टेंट की कीमत निर्धारित करेगा

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) 2022 में कोरोनरी स्टेंट को शामिल करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इससे इन जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों को और अधिक किफायती बनाने में मदद मिलेगी। यह कदम आवश्यकता के आधार पर सूची में स्टेंट को शामिल करने की समीक्षा के लिए गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर आधारित है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) अब कोरोनरी स्टेंट की कीमत निर्धारित करेगा। चिकित्सा पर स्थायी राष्ट्रीय समिति (एसएनसीएम) ने छह नवंबर को कोरोनरी स्टेंट को आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), 2022 में दो श्रेणियों बेयर मेटल स्टेंट (बीएमएस) और ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट में शामिल करने के लिए अपनी सिफारिश प्रस्तुत की थी। कोरोनरी स्टेंट'दवा का इस्तेमाल हृदय रोगों के उपचार में होता है। एसएनसीएम की बैठक के ब्योरे के मुताबिक उपाध्यक्ष डॉ वाईके गुप्ता ने बताया कि कोरोनरी स्टेंट को पहले भी एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर अधिसूचना के जरिए एनएलईएम-2015 में भी शामिल किया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जहां तक दवाओं का सवाल है, एसएनसीएम ने एनएलईएम-2022 पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है और सरकार ने इसे स्वीकार भी कर लिया है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), 2022 में कोरोनरी स्टेंट को शामिल करने की अधिसूचना जारी की है। पिछले 13 सितंबर को जारी की गई आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल की गईं 34 नई दवाओं में कई कैंसर रोधी दवाएं, एंटीबायोटिक्स और टीके शामिल थे. इसके तहत ऐसी दवाओं की कुल संख्या 384 हो गई।

ऑस्ट्रेलियाई संसद से भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलियाई संसद ने मंगलवार को भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी प्रदान कर दी। अब दोनों देश आपसी सहमति से फैसला करेंगे कि यह समझौता किस तारीख से लागू होगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा, बड़ी खबर- भारत के साथ हमारा मुक्त व्यापार समझौता संसद से पारित हो गया है। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (एआई-ईसीटीए) को लागू करने से पहले ऑस्ट्रेलियाई संसद द्वारा मंजूरी की आवश्यकता थी। भारत में इस तरह के समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल मंजूरी देता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट में कहा, खुशी है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते को ऑस्ट्रेलियाई संसद ने पारित कर दिया है। हमारी गहरी दोस्ती के चलते, यह हमारे लिए व्यापार संबंधों को पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ाने और बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए मंच तैयार करता है। एक अधिकारी ने कहा कि अब दोनों पक्ष आपसी सहमति से फैसला करेंगे कि यह समझौता किस तारीख से लागू होगा। सीमा शुल्क अधिकारी इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करेंगे। एफटीए लागू होने के बाद कपड़ा, चमड़ा, फर्नीचर, आभूषण और मशीनरी सहित भारत के 6,000 से अधिक उत्पादों को ऑस्ट्रेलियाई बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया लगभग 96.4 प्रतिशत निर्यात (मूल्य के आधार पर) के लिए भारत को शून्य सीमा शुल्क पहुंच की पेशकश कर रहा है। इसमें कई उत्पाद ऐसे हैं, जिस पर वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में चार से पांच प्रतिशत का सीमा शुल्क लगता है।वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8.3 अरब डॉलर का माल निर्यात तथा 16.75 अरब डॉलर का आयात किया था।

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% GST वसूला जाएगा, वित्त मंत्रियों का समूह जल्द कर सकता है सिफारिश

नई दिल्ली:

राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति ऑनलाइन गेमिंग पर समान रूप से 28 प्रतिशत जीएसटी की सिफारिश कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि समिति की सिफारिशें सभी ऑनलाइन गेम के लिए होंगी, फिर चाहें उनमें कौशल का इस्तेमाल होता हो या सिर्फ संयोग के आधार पर जीत-हार होती हो। हालांकि, जिस राशि पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाएगा, उसकी गणना के लिए समिति एक संशोधित सूत्र का सुझाव दे सकती है। फिलहाल ऑनलाइन गेमिंग पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। यह कर सकल आय पर लगाया जाता है, जो ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल द्वारा लिया जाने वाला शुल्क है। सूत्रों ने कहा कि जीओएम की रिपोर्ट लगभग तैयार है और इसे जल्द ही जीएसटी परिषद को विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने इससे पहले जून में परिषद को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। हालांकि, परिषद ने जीओएम से अपनी रिपोर्ट पर दोबारा विचार करने को कहा था। इसके बाद जीओएम ने अटॉर्नी जनरल से सुझाव लिए और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के हितधारकों से भी बात की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज पर भारत का कब्जा

बारिश की वजह से तीसरा मैच हुआ टाई

नेपियर (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला का आज तीसरा ङ्क20 मैच नेपियर में खेला जा रहा था। हालांकि, आज का मुकाबला बारिश की वजह से टाई कर दिया गया जिसके बाद सीरीज पर भारत का कब्जा हो गया। दरअसल, दूसरे मुकाबले में भारत ने शानदार जीत हासिल की थी। पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। ऐसे में भारत ने इस श्रृंखला को जीत लिया है। आज के मुकाबले के बाद करें तो न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका पहला विकेट 9 रन के स्कोर पर ही गिर गया था। बीच में डेवोन कॉनवे और ग्लेन फिलिप्स के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई जिसकी वजह से न्यूजीलैंड एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाया। न्यूजीलैंड में 10 विकेट के नुकसान पर 19.4 ओवर में 160 रन बनाए थे।

भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 4 विकेट और मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। ईशान किशन 10 और ऋषभ पंत 11 रन बनाकर आउट हो गए। सूर्यकुमार यादव 13 रन के स्कोर पर आउट हुए। जबकि श्रेयस अय्यर आज के मुकाबले में अपना खाता नहीं खोल सके और शून्य पर आउट हुए। जब भारतीय टीम का स्कोर 9 ओवर में 75 रन था तो बारिश की वजह से मैच को रोकना पड़ा। बारिश नहीं रुकी जिसके बाद मैच को टाई करना पड़ा। आज के मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच मोहम्मद सिराज को दिया गया जबकि सूर्यकुमार यादव को मैन ऑफ द सीरीज दिया गया।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिये डेवोन कॉनवे (49 गेंद में 59 रन) और ग्लेन फिलिप्स (33 गेंद में 54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 86 रन की साझेदारी निभायी। लेकिन इसके बाद मेजबान टीम ने महज 30 रन के अंदर अपने आठ विकेट गंवा दिये। न्यूजीलैंड का स्कोर 16वें ओवर में दो विकेट पर 130 रन था लेकिन अर्शदीप (37 रन देकर चार विकेट) और सिराज (17 रन देकर चार विकेट) ने शानदार वापसी करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को दो गेंद रहते ही समेट दिया। भारत को पहला विकेट अर्शदीप ने दिलाया जब फिन एलेन उनकी फुल लेंथ गेंद पर पगबाधा आउट हुए। एलेन फैसले की समीक्षा करना चाहते थे लेकिन फिर पवेलियन लौट गये। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने तीसरे ओवर में कसी गेंदबाजी की।

सचिन कमाई के मामले में अब भी शीर्ष पर, विराट दूसरे और धोनी तीसरे नंबर पर

मुम्बई (एजेंसी)। विश्व क्रिकेट में सबसे धनी पांच क्रिकेटरों में से तीन भारतीय और दो विदेशी हैं। सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली के अलावा इसमें रिकी पोंटिंग और ब्रायन लारा जैसे क्रिकेटर शामिल हैं। इन क्रिकेटरों में से केवल आज विराट कोहली ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और धोनी आईपीएल खेलते हैं। बाकि ने खेल से संन्यास ले लिया है।

सचिन, धोनी और विराट साल 2022 के सबसे धनी क्रिकेटरों में शामिल हैं। ये खिलाड़ी विज्ञापन और कारोबार से भारी कमाई कर रहे हैं। सचिन और धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जबकि विराट अभी खेल रहे हैं। वह वेतन और केन्द्रीय अनुबंध से ही करोड़ों की रकम कमा रहे हैं।

सचिन तेंदुलकर : साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले सचिन का क्रिकेट करियर सबसे लंबा रहा है। उन्होंने 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े रिकार्ड अपने नाम किये हैं। आज भी दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों में से एक हैं। संन्यास के एक दशक के बाद भी विज्ञापन जगत में वह छाये हुए हैं। उनका देश और विदेश के कई ब्रांड के साथ करार हैं। जिनसे वह करोड़ों रुपये कमाते हैं। वह करीब 170 मिलियन डॉलर की संपत्ति के मालिक होने के साथ ही कमाई के मामले में नंबर एक स्थान पर हैं

विराट कोहली: टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली सबसे अमीर खिलाड़ियों में से एक हैं। विराट की सालाना औसत कमाई करीब 15 करोड़ रुपये है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के ग्रेड ए के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल हैं। इस अनुबंध के अनुसार उन्हें सालाना 7 करोड़ रुपये मिलते हैं। इसके अलावा वह आईपीएल से भी जमकर कमाई करते हैं। कोहली की कुल संपत्ति करीब 127 मिलियन डॉलर है और वह दूसरे नंबर पर हैं।

महेन्द्र सिंह धोनी : पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह ने दो साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था पर आईपीएल और विज्ञापन की दुनिया में आज भी वह छाये हुए हैं। धोनी कई ब्रॉन्ड से जुड़े हैं। धोनी ने एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस भी शुरू किया है। इसके अलावा वह इंडियन सुपर लीग में चेन्नईयिन एफसी फुटबॉल टीम के भी मालिक हैं। वह धोनी सेवेन नाम से एक फैशन एंड लाइफस्टाइल ब्रांड भी चलाते हैं। इस अलावा भी कई कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी है। धोनी 113 मिलियन डॉलर की संपत्ति के मालिक होने के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

रिकी पॉन्टिंग: पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पॉन्टिंग सबसे अमीर क्रिकेटरों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। पॉन्टिंग की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने दो बार विश्वकप जीता है। विश्व के सबसे सफलतम क्रिकेट कप्तानों में से एक रिकी पॉन्टिंग 2022 में 95 मिलियन डॉलर की संपत्ति के मालिक होने के साथ ही चौथे नंबर पर हैं।. वो एडिडास, प्यूमा, रेक्सोना, वाल्वोलिन, कूकाबुरा बैट्स और कई अन्य कई ब्रॉन्ड्स को एंडोर्स करते हैं। इसके अलावा, वो विभिन्न चैनलों पर कमेंट्री भी करते हैं। आईपीएल में भी उनके पास कोच की जिम्मेदारी है।

ब्रायन लारा: वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा के पास तकरीबन 68 मिलियन डॉलर की संपत्ति है। उनके नाम टेस्ट मैच की एक पारी में 400 रन बनाने का विश्वक रिकार्ड है। लारा के पास कई कंपनियों के विज्ञापन हैं। इसके अलावा वह एमआरएफ से भी जुड़े हैं। वह कमाई के मामले में पांचवें नंबर पर हैं।

भारत दौरे पर आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में आस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी एलिसा हीली,

मुम्बई (एजेंसी)। मेग लैनिंग की अनुपलब्धता के कारण क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये मंगलवार को अनुभवी विकेटकीपर एलिसा हीली को 15 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई महिला टीम का कप्तान चुना। स्टार आल राउंडर तहलिया मैकग्रा को नौ से 20 दिसंबर तक होने वाली श्रृंखला के लिये उप कप्तान चुना गया है जिसके मैच मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम (पहले दो) और ब्रैबोर्न स्टेडियम (बचे हुए तीन मैच) में खेले जायेंगे।

फीका में होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर टीम की तैयारियों के लिये अहम होगा। आस्ट्रेलिया ने अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में तीन बदलाव किये हैं। आस्ट्रेलियाई टीम चार दिसंबर को भारत के लिये रवाना होगी।

टीम इस प्रकार है : एलिसा हीली (कप्तान), तहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, जेस जोनासेन, अलांका किंग, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिसा पैरी, मेगान शट और अनाबेल सदरलैंड।

ऑस्ट्रेलिया ने दर्ज की बड़ी जीत, इंग्लैंड का 3-0 से किया क्लीन स्वीप

मेलबर्न (एजेंसी)। ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर के शानदार शतकों की बदौलत आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां बारिश से प्रभावित अंतिम वनडे में इंग्लैंड को 221 से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर आस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी का न्योता दिया। हेड और वॉर्नर की सलामी जोड़ी ने मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर 269 रन की साझेदारी निभायी जिससे टीम ने पांच विकेट पर 355 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह इस मैदान पर वनडे का सबसे बड़ा स्कोर है। हेड ने 130 गेंद में 152 रन बनाकर अपना तीसरा वनडे शतक जड़ा जो उनका इस प्रारूप में सबसे बड़ा स्कोर है।

वॉर्नर ने 106 रन की पारी खेली। बारिश के कारण आस्ट्रेलियाई पारी में दो बार विलंब हुआ जिसके बाद मैच 48-48 ओवर का कर दिया गया। इससे इंग्लैंड को जीत के लिये 364 रन का लक्ष्य मिला। पर टीम 32वें ओवर में 142 रन पर सिमट गयी जिसमें सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

तेज गेंदबाज ओली स्टोन अपना छठा ही वनडे खेल रहे हैं, उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85 रन देकर चार विकेट झटके। आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 31 रन देकर चार विकेट झटके जिससे उन्होंने पूरी श्रृंखला में 11 विकेट हासिल किये। आस्ट्रेलिया ने एडीलेड में पहला मैच छह विकेट से जबकि सिडनी क्रिकेट मैदान पर दूसरा मैच 72 रन से जीता था।

भुवनेश्वर इस साल 100 ओवर फेंकने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने

मुम्बई। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार टी20 अंतराष्ट्रीय में 100 ओवर फेंकने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने हैं। इसी के साथ ही भूवी ने एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। भुवनेश्वर ने अब तब इस साल 103.4 ओवर फेंके हैं। जिसमें 7 मेडन भी हैं। इसमें उन्होंने 6.98 की इकोनॉमी से 724 रन दिए हैं। वहीं 20 के औसत से 37 विकेट लिए हैं। वहीं 4 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं इस साल सबसे ज्यादा ओवर फेंकने के मामले में आयरलैंड के तेज गेंदबाज जोशुआ लिटिल दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इस साल अब तक 97.2 ओवर गेंदबाजी की है। इसमें उन्होंने 39 विकेट भी लिए हैं।

भुवनेश्वर का यह 87वां टी20 अंतरराष्ट्री मैच है। इस मुकाबले से पहले तक उन्होंने 23 की औसत से 90 विकेट लिए थे। जिसमें 3 बार 4 और 2 बार 5 विकेट शामिल हैं। उनकी इकोनॉमी 6.94 की रही। उन्होंने कुल मिलाकर देखा जाये तो टी20 के 248 मैच में 25 की औसत से 256 विकेट लिए हैं। जिसमें 5 बार 4 और 3 बार 4 विकेट शामिल है।

सऊदी अरब ने फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना को हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

एक गोल कर मेसी ने बनाया रिकार्ड

दोहा(एजेंसी)। सऊदी अरब ने फीफा विश्व कप फुटबॉल में पूर्व विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर सबको हैरान कर दिया। साऊदी अरब ने 2022 के ग्रुप सी मुकाबले में लगातार 35 मैचों से अपराजेय रही अर्जेंटीना को 2-1 से हरा दिया। विश्व कप के इस मुकाबले में अर्जेंटीना से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी पर साऊदी अरब की ओर से सालेह अल-शहरी और सलेम अल-दावसारी ने 2 गोल कर उटलफेर कर दिया। वहीं इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से कप्तान लियोनेल मेसी ही एक गोल कर पाये। मेसी ने इस एकमात्र गोल के साथ ही ने एक नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। मेसी चार फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में गोल करने वाले अर्जेंटीना के पहले खिलाड़ी बने हैं।

इसी के साथ मेसी ने अपनी ही टीम के पूर्व कप्तान डिएगो माराडोना और बतिस्तुता को पीछे छोड़ा है। माराडोना ने 1982, 1986 और 1994 विश्व कप में गोल किये थे जककि बतिस्तुता ने 1994, 1998 और 2002 विश्व कप में गोल दागे थे जबकि मेसी ने ने 2006, 2014, 2018, 2022 विश्व कप में गोल किये हैं।

वहीं मेसी ब्राजील के पेले, जर्मनी के उवे सीलर और मिरोस्लाव क्लोज और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद चार अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं।

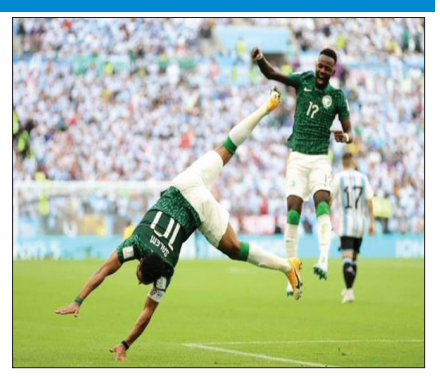

विश्वकप फुटबॉल में राष्ट्रगान गाने से इंकार करने के लिए ईरानी टीम को मिल सकती है कड़ी सजा

-खिलाड़ियों को भेजा जा सकता है जेल

दोहा। कतर में जारी फीफा विश्वकप फुटबॉल में ईरानी खिलाड़ियों ने हिजाब का विरोध करते हुए राष्ट्रगान गाने से इंकार कर दिया है जिसके बाद से ही माना जा रहा है कि स्वदेश लौटने पर इन खिलाड़ी को कड़ी सजा मिलेगी। इसमें जेल भेजने के अलावा नजरबंद भी किया जा सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में ईरान की टीम को 6-2 से हार का सामना करना पड़ा है पर परिणाम से ज्यादा यह मैच ईरानी खिलाड़ी के राष्ट्रगीत नहीं गाने का लेकर चर्चाओं में है। मैच की शुरुआत से पहले ही ईरानी टीम ने महिलाओं के प्रदर्शन के समर्थन में अपना राष्ट्रगान गाने से ही इनकार कर दिया। गौरतलब है कि ईरान में हिजाब का विरोध करने पर 22 साल की महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद से ही सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो गये हैं। इस दौरान महिलाओं को हिजाब जलाते और अपने बाल काटते भी देखा जा चुका है। विरोध प्रदर्शन की यह आंच कतर में भी पहुंची है। स्टेडियम में मौजूद ईरानी दर्शकों ने भी अपने राष्ट्रगान का विरोध करते हुए टीम का साथ दिया। वहीं अब इन खिलाड़ियों के भविष्य पर संकट छा गया है। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए इन खिलाड़ियों को कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह भी कहा जा रहा है किईरानी शासन ने फुटबॉल खिलाड़ियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ही सरकार का विरोधा करने के लिए ईरानी खिलाड़ियों को जेल या नजरबंदी की सजा दी जा सकती है। इसके अलावा फुटबॉल बोर्ड को भी भंग किया जा सकता है जिससे भविष्य में यह टीम किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाये। इससे पहले ईरानी खिलाड़ियों ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में राष्ट्रगान नहीं गाकर अपना विरोध जताया है। ईरानी खिलाड़ियों ने इस प्रकार सरकार के खिलाफ अपने गुस्से को जाहिर किया है। ईरान की टीम के कप्तान अलिरेजा जहांबख्श ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ही कहा था कि देश में चल रहे सरकार-विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन करने के लिए उनकी टीम राष्ट्रगान नहीं गायेगी। इसी कारण यहां के खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जब मैच से पहले राष्ट्रगान गाने का समय आया तो ईरानी एकादश गंभीर चेहरों के साथ चुपचाप खड़ी रही। उल्लेखनीय है कि ईरान में 22 वर्षीय महसा अमीनी की 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद से देशभर में सरकार-विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं।

भारतीय टीम में चयन सपने के सच होने जैसा : ब्यूटी

नई दिल्ली(एजेंसी)। एफआईएच हॉकी महिला नेशन्स कप के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल हुई युवा खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग ने मंगलवार को कहा कि हालांकि उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह उनके लिये एक सपने के सच होने जैसा है।

ब्यूटी ने कहा, 'मैं टीम में अपना नाम पाकर वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं इसकी उम्मीद नहीं कर रही थी क्योंकि प्रशिक्षण शिविर में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। मैं वास्तव में हैरान थी। मैं आभारी हूं कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम में चुना जाना मेरा सपना था इसलिए मैं इससे बहुत खुश हूं।' भारतीय महिलाओं को नेशन्स कप के लिए स्पेन के वेलेंसिया की यात्रा करनी है। सविता पूनिया की टीम को कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल-बी में रखा गया है, जबकि पूल-ए में इटली, आयरलैंड, कोरिया और स्पेन हैं। झारखंड के सिमडेगा जिले की रहने वाली ब्यूटी ने अपनी हॉकी यात्रा तब शुरू की थी जब वह महज छह साल की थीं। ब्यूटी जिस स्कूल में पढ़ती थीं वहां हर विद्यार्थी को अपनी हॉकी स्टिक लाने की आवश्यकता होती थी इसलिये वह अपनी हॉकी स्टिक के साथ स्कूल जाती थीं। ब्यूटी ने कहा, 'मुझे खेल में आगे बढ़ने के लिये अपने परिवार से बहुत समर्थन मिला। मेरे पिता ने विशेष रूप से मुझे प्रोत्साहित किया। मैंने उनसे खेल के बारे में बहुत कुछ सीखा और कुछ समय में ही अपने क्षेत्र के छात्रावास से हॉकी खेलना शुरू कर दिया।' उन्होंने कहा, 'जूनियर महिला टीम के साथ मेरा पहला दौरा 2019 में आयरलैंड में था। फिर, मैंने उसी वर्ष बेलारूस और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की। 2021 में, मैंने टीम के साथ चिली की यात्रा की। इस वर्ष मुझे एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप दक्षिण अफ्रीका 2021 के लिए यात्रा करने का अवसर मिला जहां मैंने बहुत कुछ सीखा।'

पृथ्वी की टीम इंडिया में वापसी न होने से प्रशंसक हैरान है

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज और भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे पृथ्वी शॉ को टीम में जगह नहीं मिलने पर प्रशंसक हैरान हैं। वहीं उनका बल्लेबाजी अंदाज पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की तरह है। उसी सहवाग की तहह जिनके बारे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी का कहना है कि वह अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजों में खौफ पैदा कर देते थे। प्रशंसकों के अनुसार पृथ्वी भी सहवाग के जैसे ही विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। इसके बाद भी उन्हें टीम में क्यों नहीं लिया जा रहा यह समझ से परे है। पृथ्वी ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 12 मैच खेले हैं हालांकि 6 एकदिवसीय मैच और 5 टेस्ट मैच हैं। इसके अलावा एक टी20 अंतरराष्ट्रीय भी है। इसके अलावा वह घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। इसके बाद भी चयनकर्ता उनकी उपेक्षा कर रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2021 में खेला था। टीम इंडिया में कई युवाओं को मौके मिल रहे हैं पर पृथ्वी को अपनी वापसी का इंतजार है। पृथ्वी बेहद तेज शुरुआत देने की क्षमता वाले सलामी बल्लेबाज हैं। उन्होंने मिजोरम के खिलाफ अपने पिछले एकदिवसीय मैच में 138 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। तब पृथ्वी ने 39 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 54 रन बनाये। वह पारी की शुरुआती जिम्मेदारी निभाते हुए टीम को तेज शुरुआत देते हैं। पृथ्वी ने अभी तक अपने करियर में एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 टेस्ट, 6 एकदिवसीय भी खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में एक शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 339 रन बनाए हैं जबकि एकदिवसीय में उन्होंने 31.5 के औसत से 189 रन बनाए।

भारतीय अभियान की अगुआई करेंगी मीराबाई, चोटिल जेरेमी विश्व चैम्पियनशिप से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेरेमी लालरिनुंगा चोटिल होने के कारण अगले महीने होने वाली 2022 भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं ले पायेंगे जिसमें भारत की चार सदस्यीय टीम की अगुआई ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू करेंगी। भारत के पहले युवा ओलंपिक चैम्पियन जेरेमी जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजयी अभियान के दौरान चोटिल हो गये थे। मिजोरम का यह 20 साल का खिलाड़ी जांघ और हैमस्ट्रिंग चोट से उबर नहीं सका है। वह अक्टूबर में एशियाई चैम्पियनशिप में भी नहीं खेल पाया था।

भारतीय मुख्य कोच विजय शर्मा ने पीटीआई से कहा, ''जेरेमी अब भी राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं इसलिये वह इस विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे। 'शर्मा ने कहा, ''राष्ट्रमंडल खेलों की टीम के कई भारोत्तोलक चोटों से उबर रहे हैं इसलिये हमने चार फिट भारोत्तोलकों को चुना है।' राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता संकेत सागर को कोहनी की चोट लग गयी थी जिसकी तभी सर्जरी करायी गयी थी, वह भी पांच से 16 दिसंबर तक कोलंबिया के बोगोटा में होने वाली चैम्पियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। पूर्व विश्व चैम्पियन चानू राष्ट्रमंडल खेलों में अपना तीसरा पदक और दूसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार खेलेंगी। चार सदस्यीय टीम में 73 किग्रा के राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन अचिंता शेयुली, रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी और कांस्य पदक विजेता गुरदीप सिंह शामिल हैं।

ये चारों भारोत्तोलक इस समय कोच शर्मा के साथ अमेरिका के सेंट लुई में हैं। भारतीय दल एक दिसंबर को बोगोटा के लिये रवाना होगा। विश्व चैम्पियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट है। हालांकि यह एक अतिरिक्त टूर्नामेंट है जो अनिवार्य नहीं है। एक भारोत्तोलक को 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अतंर्गत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में भाग लेना अनिवार्य होता है। इनके अलावा भारोत्तोलक को तीन अन्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना होता है। टीम इस प्रकार है :

मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (59 किग्रा), अचिंता शेयुली (73 किग्रा) और गुरदीप सिंह (+109 किग्रा)।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडयिा अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

ईरानी बलों ने प्रदर्शनकारियों पर की गोलीबारी, 5 लोगों की मौत कई घायल

तेहरान। ईरान के पश्चिमी भाग में कुर्द शहर में सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। कार्यकर्ताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एक दिन पहले मारे गए दो लोगों के जनाजे के दौरान सरकार-विरोधी प्रदर्शन करने पर आज फिर सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग किया। ऑनलाइन उपलब्ध वीडियो में देखा जा सकता है कि सड़कों पर हो रही भारी गोलीबारी से बचने के लिए प्रदर्शनकारी इधर-उधर भाग रहे हैं। कुछ वीडियो में लोग सड़कों पर अचेत और खून से लथपथ पड़े दिख रहे हैं, वहीं अन्य में लोग स्थानीय अस्पताल में रक्तदान के लिए एकत्र नजर आ रहे हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में नैतिकता पुलिस द्वारा हिरासत में ली गई 22 वर्षीय कुर्द युवती महसा अमीनी की मौत होने के बाद 16 सितंबर से सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शन उन क्षेत्रों में सबसे तीव्र है, जहां ईरान के 10 मिलियन कुर्दों से अधिक लोग रह रहे हैं। अब तक 410 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं, जिनमें 58 नाबालिग भी शामिल हैं। इस दौरान सुरक्षा बलों के करीब 54 सदस्य भी मारे गए हैं और 17,251 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल यह आकड़ा अनुमानित है। ईरानी राज्य मीडिया के अनुसार, दो ईरानी अभिनेत्रियों को इंस्टाग्राम पर विरोध का समर्थन करने पर गिरफ्तार कर लिया गया है।

सोलोमन द्वीप में 7.0 की तीव्रता का भीषण भूकंप, इलाके में सुनामी की चेतावनी जारी

मलंगो के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के पास, प्रशांत महासागर में सोलोमन द्वीप समूह में 7.0 तीव्रता का भूकंप आया है। अभी तक किसी के घायल होने या मरने की सूचना नहीं है, लेकिन राजधानी होनियारा में लोगों ने लगभग 20 सेकंड तक झटके और झटके महसूस किए। सुनामी की तत्काल चेतावनी के बीच, प्रधानमंत्री कार्यालय ने स्थानीय लोगों को उच्च भूमि पर जाने की सलाह दी। हालांकि, द्वीपों की मौसम विज्ञान सेवा ने बाद में चेतावनी को हटा दिया। एक अलग प्राधिकरण, अमेरिका समर्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भी कहा कि खतरा काफी हद तक गुजर चुका है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप 15 किमी (9 मील) की गहराई और तट के दक्षिण-पश्चिम में 18 किमी की गहराई पर स्थानीय समयानुसार 13ः00 (02ः00 त्रस्क्ष) के ठीक बाद आया। इससे बिजली गुल हो गई और होनियारा में कुछ लोगों को इमारतों से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कोई हल नहीं निकला तो अमेरिका में हो सकती है अब तक की सबसे बड़ी माल ढुलाई हड़ताल

न्यूयॉर्क। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माल ढुलाई हड़ताल की दहलीज पर खड़ी है। सरकार और यूनियन के बीच समझौता नहीं होने की स्थिति में हालात बिगड़ सकते हैं। रेल-रोड कंडक्टर के संगठन ने बाइडेन सरकार द्वारा किए गए श्रम समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिका में छुट्टियों से ठीक पहले राष्ट्रव्यापी माल ढुलाई हड़ताल होने की आशंका बढ़ गई है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह के शुरुआत तक यदि सरकार और यूनियन के बीच कोई समझौता नहीं होता है तो अमेरिका वासियों को अप्रत?याशित स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। श्रम संगठन के नेताओं ने सरकार के साथ फिर से बातचीत बहाल करने की बात कही है। रेल कंपनियों और यूनियन के पास अभी भी ढाई सप्ताह का वक्त है। यदि दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनती है, तो 9 दिसंबर से हड़ताल शुरू हो सकती है। हड़ताल होने की स्थिति में देश को रोजाना 2 अरब डॉलर (16,331 करोड़ रुपए) का नुकसान होगा। हड़ताल के ज्यादा लंबी होने की स्थिति देश को गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अमेरिका में तकरीबन 30 फीसद माल की ढुलाई रेल से होती है। नेशनल करियर कॉन्फ्रेंस कमेटी के अनुसार, समय रहते करार न होने की स्थिति में खराब होने वाले माल के शिपमेंट में कटौती होनी शुरू हो जाएगी, जिसका असर आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। बता दें कि अमेरिका में 4 यूनियन हैं, जिनमें तकरीबन 60 हजार सदस्य हैं। यदि सरकार और श्रम संगठनों के बीच 8 दिसंबर तक कोई करार नहीं होता है, तो दो बातें हो सकती हैं। पहली, रेल-रोड कामगारों को काम पर आने से रोक सकता है या फिर कामगार खुद ही हड़ताल पर जा सकते हैं। हड़ताल होने की स्थिति में अमेरिकी संसद (कांग्रेस) हस्तक्षेप कर सकती है। रेलवे श्रम कानून में इस बात का प्रावधान किया गया है कि संसद रेल सेवा को बहाल करने के लिए कोई भी कानून बना सकती है।

मूसलाधार बारिश में डुबा बाल्कन, बाढ़ में छह लोगों की मौत

बाल्कन। पिछले दो दिनों में बाल्कन में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम छह लोगों की मौत हुई। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक उत्तर पश्चिमी अल्बानिया में हजारों एकड़ कृषि भूमि और सैकड़ों घर बाढ़ के पानी में डूब गए। बिजली कटौती के बीच अधिकारियों ने सैकड़ों परिवारों को निकाला। पुलिस के गोताखोरों ने राजधानी तिराना से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में बोगे गांव में लापता दो लोगों, एक पिता और पुत्र के शव बरामद किए, जिनकी कार रविवार को बह गई थी। मोंटेनिग्रो और सर्बिया के कुछ हिस्सों में उफनती नदियों ने सप्ताहांत में चार लोगों की जान ले ली। मोंटेनिग्रो में एक महिला और उसके दो बच्चे डूब गए जब उनकी कार एक पुल से गुजरने के दौरान नदी में गिर गई। दक्षिणी सर्बिया में एक दो साल का बच्चा नदी में गिर गया।

क्यूबा के प्रख्यात गायक-गीतकार पाब्लो मिलानेस का 79 वर्ष की उम्र में निधन

हवाना। क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की क्रांति के लिए सांस्कृतिक राजदूत के रूप में पूरी दुनिया का दौरा करने वाले लैटिन ग्रैमी-विजेता लोक गायक पाब्लो मिलानेस का 79 वर्ष की उम्र में स्पेन में निधन हो गया। वह पिछले काफी समय से बीमार थे। स्पेन में उनका ब्लड कैंसर का इलाज चल रहा था। क्यूबा के विश्व प्रसिद्ध गायक-गीतकारों में से एक, मिलानेस ने अपने पांच दशक से अधिक समय तक चले करियर के दौरान योलान्डा, यो मी क्वेडो (आई एम स्टेइंग) और अमो एस्टा इस्ला (आई लव दिस आइलैंड) जैसे दर्जनों एल्बम और हिट रिकॉर्ड दिए। क्यूबा के प्रधानमंत्री मैनुअल मारेरो क्रूज ने सोमवार देर रात ट्वीट किया, क्यूबा में संस्कृति, पाब्लो मिलानेस की मौत के शोक में डूबी है। मिलानेस के प्रतिनिधियों ने जारी एक बयान में कहा कि उनका मंगलवार तड़के निधन हो गया। नवंबर की शुरुआत में, उन्होंने घोषणा की थी कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और संगीत कार्यक्रम रद्द किए जा रहे हैं। कामकाजी वर्ग से ताल्लुक रखने वाले माता-पिता की पांच संतानों में सबसे छोटे, पाब्लो मिलानेस का जन्म 24 फरवरी, 1943 को बायामो (तब ओरिएंट प्रांत) के पूर्वी शहर में हुआ था। उनके संगीत कैरियर की शुरुआत स्थानीय टीवी और रेडियो प्रतियोगिताओं में गाने और अक्सर जीतने के साथ हुई। उनका परिवार राजधानी चला गया और उन्होंने 1950 के दशक के दौरान हवाना म्यूजिकल कंजर्वेटरी में कुछ समय के लिए अध्ययन किया, लेकिन उन्होंने अमेरिका और अन्य देशों के रुझानों के साथ-साथ अपनी प्रारंभिक प्रेरणा के लिए औपचारिक प्रशिक्षण के बजाय पड़ोस के संगीतकारों को श्रेय दिया। वह 60 के दशक की शुरुआत में कुआर्टेटो डेल रे (राजा की चौकड़ी) सहित कई समूहों में थे। उन्होंने 1963 में अपना पहला गीत तू मी डेसेंगानो, (यू, माई डिसिल्यूजन) बनाया, जिसमें प्यार में नाकामी के बाद आगे बढ़ने की बात कही गई थी। उन्होंने 1970 में मौलिक लैटिन अमेरिकी प्रेम गीत योलान्डा लिखा, जो अभी भी पुराने हवाना के पर्यटक कैफे से लेकर मेक्सिको सिटी कैंटीना तक हर जगह पसंद किया जाता है।

चीन को 27 सालों तक प्राकृतिक गैस आपूर्ति करेगा कतर, हुआ सबसे लंबा गैस सप्लाई समझौता

दोहा। कतरएनर्जी ने चीन के साथ 27 साल के प्राकृतिक गैस आपूर्ति सौदे की घोषणा की है। इस दुनिया का सबसे लंबा गैस सप्लाई समझौता बताया जा रहा है। इस समझौते ने एशिया के बड़े गैस सप्लायर और गैस आयातक देश के बीच उस समय में सौदेबाजी को मजबूत किया है, जब रूस की गैस सप्लाई पर निर्भर यूरोप के देश यूक्रेन की जंग के कारण गैस के वैकल्पिक स्त्रोतों के लिए प्रयासरत हैं।

मनीला चिड़ियाघर में सफेद बंगाल टाइगर को देखते और उसकी तस्वीर खींचते हुए लोग।

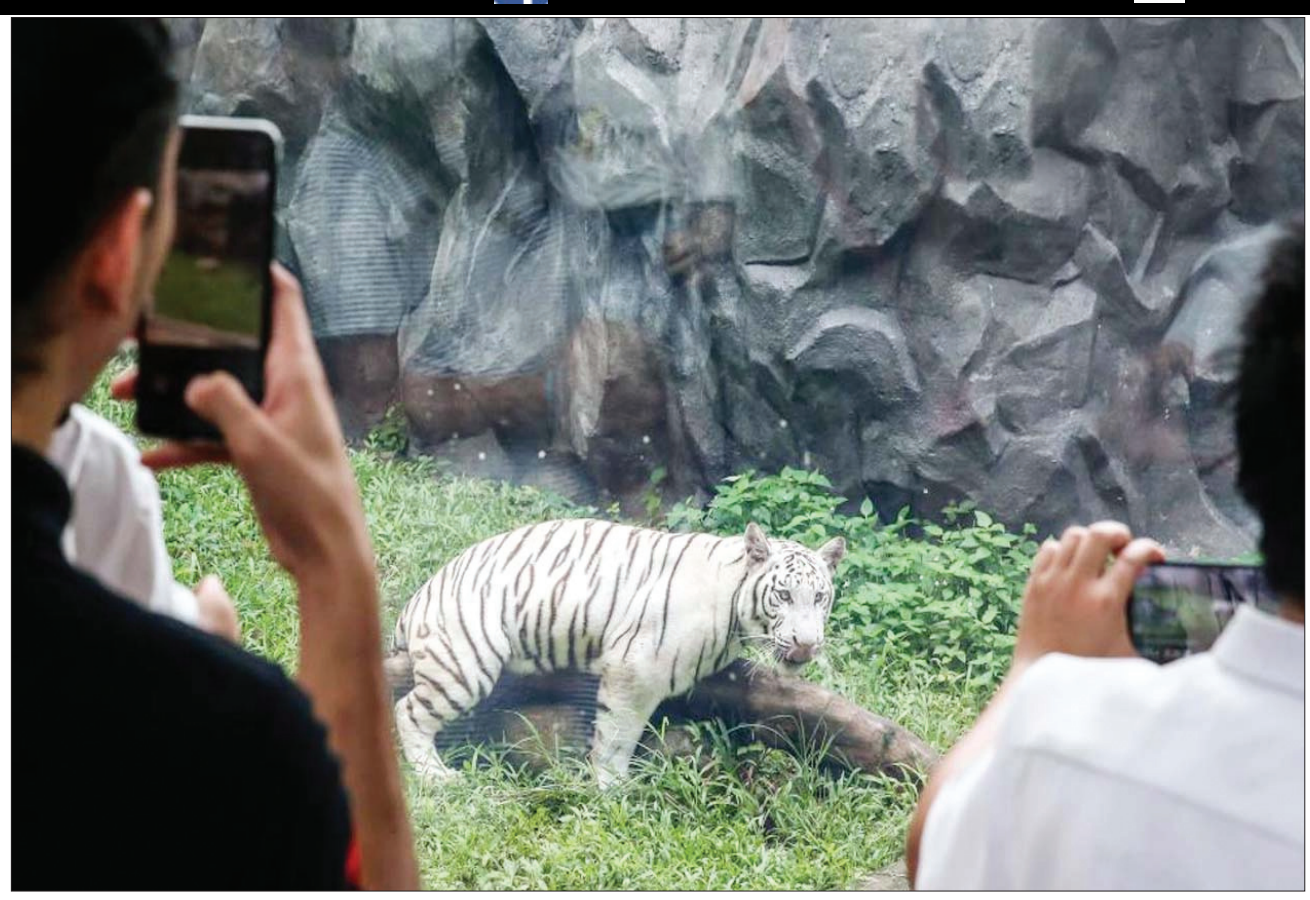

यूक्रेनी सैनिकों की बढ़ी ताकत, ब्रिटेन से सौंपी लेजर-गाइडेड ब्रिमस्टोन मिसाइल

कीव। ब्रिटेन ने सैन्य सहायता के रूप में यूक्रेन को लेजर-गाइडेड ब्रिमस्टोन मिसाइल का अपडेटेड मॉडल भेजा है, इसकी रेंज पिछले डिजाइन से दोगुनी है। यूक्रेन को रूसी सेना को पीछे धकेलने में मदद करने के लिए रॉयल एयर फोर्स द्वारा दी जा रही ब्रिमस्टोन-2 मिसाइलों की आपूर्ति की फुटेज सामने आई है। यूक्रेनी सैनिकों ने लंबी दूरी से रूसी टैंकों और अन्य वाहनों को नष्ट करने के लिए मोबाइल लांच प्लेटफॉर्म के रूप में काम करने के लिए ट्रकों को संशोधित किया है। यूक्रेन के अन्य पश्चिमी सहयोगियों द्वारा भेजे गए इसी तरह के एंटी-टैंक हथियारों के साथ मिसाइलें हाल के महीनों में मास्को को जवाब देने के लिए लगाई जाएगी।

ईरान निर्मित शहीद-136 ड्रोन के बढ़ते अटैक में ब्रिमस्टोन मिसाइल काफी प्रभावशाली साबित हो सकती है। ब्रिटेन ने करीब छह महीने पहले यूक्रेन को ब्रिमस्टोन मिसाइलें दी थीं। इसी से रूसी सेना के हथियारों को भारी नुकसान पहुंचाया गया था। बता दें कि प्रत्येक की कीमत लगभग 1,69,26,884 रुपये थी। यह सैनिकों, विमानों या वाहनों द्वारा दागे गए लेजर को ट्रेस करके लक्ष्य को भेद सकती है। यह प्रणाली युद्ध मैदान में मौजूद हथियारों को स्कैन कर तबाह कर देती है। इसकी खासियत है कि यह नागरिक वाहनों की पहचान कर उस पर अटैक नहीं करती।

चीन में फिर बढ़े कोरोना केस, कई जगह लगाना पड़ा लॉकडाउन, स्कूल बंद, आनलाइन हो रही पढ़ाई

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में कोरोना ने एक बार फिर अपने पांव पसार लिए हैं। राजधानी बीजिंग में कोविड-19 के मामलों में फिर उछाल देखा गया है। इसके बाद सोमवार को कई स्कूलों को फिर से ऑनलाइन क्लास शुरू करनी पड़ी है। मामलों में हो रही लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को घर पर रहने की सलाह दी है। चीन के मध्य हेनान प्रांत के झेंग्झौ से दक्षिण-पश्चिम में चोंगकिंग तक कई इलाकों में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

रविवार को अप्रैल के बाद सबसे अधिक करीब 26,824 नए मामले दर्ज किए गए हैं। चीन के दक्षिणी शहर ग्वांगझू में 19 मिलियन लोग रहते हैं। ग्वांगझू ने अपने सबसे अधिक आबादी वाले बैयुन जिले में 5 दिनों के लिए लॉकडाउन का आदेश दिया है। यहां पर रेस्टोरेंट में खाने की सुविधा को सस्पेंड कर दिया गया है। शहर के मुख्य व्यापारिक जिला तियानहे में नाइट क्लब और थिएटर को बंद कर दिया गया है।

चीन में कोरोना की नई लहर देश की शून्य-कोविड नीति की भी परीक्षा ले रही है। शून्य-कोविड नीति के तहत देश में कड़े नियम लागू किए गए हैं।

इसके कारण देश में लोग परेशान और निराश हैं। साथ ही चीन की अर्थव्यवस्था पर भी इसका बुरा असर पड़ा है। लगातार लॉकडाउन से उब चुकी जनता कई इलाकों में सरकार के खिलाफ गुस्सा जाहिर कर चुकी है। जनता चीन की सोशल मीडिया प्लेटफार्म के साथ-साथ सड़क पर भी सरकार के खिलाफ गुस्से में दिख रही है।

मालूम हो कि राजधानी बीजिंग में एक दिन पहले 621 से 962 कोरोना के नए मामले सामने आए। वहीं 3.5 मिलियन आबादी वाले विशाल चाओयांग जिले ने स्कूल ऑनलाइन करने के साथ-साथ लोगों से घर पर रहने का आग्रह किया है। वहीं हैडियन, डोंगचेंग और ज़िचेंग के कुछ स्कूलों में ऑफलाइन पढ़ाना बंद कर दिया गया है।

हर 11 मिनट में एक महिला की उसके करीबी द्वारा हत्या कर दी जाती है : गुतारेस

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि हर 11 मिनट में एक महिला या लड़की की उसके करीबी साथी या परिवार के सदस्य द्वारा हत्या कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा दुनिया में सबसे बड़ा ''मानवाधिकार उल्लंघन'' है और उन्होंने सरकारों से इस समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई योजना लागू करने का आह्वान किया। महासचिव ने 25 नवंबर को ''महिलाओं के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन'' संबंधी अंतरराष्ट्रीय दिवस से पहले ये टिप्पणियां कीं। गुतारेस ने कहा, ''दुनिया में महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ हिंसा सबसे बड़ा मानवाधिकार उल्लंघन है। हर 11 मिनट में एक महिला या लड़की की उसके करीबी साथी या परिवार के सदस्य द्वारा हत्या कर दी जाती है तथा हम जानते हैं कि कोविड-19 महामारी से लेकर आर्थिक उथल-पुथल तक अन्य दबाव भी निस्संदेह और शारीरिक तथा मौखिक दुर्व्यवहार का कारण बनते हैं।'' गुतारेस की टिप्पणियां हाल में भारत में श्रद्धा वालकर के हत्या मामले की पृष्ठभूमि में आयी हैं जिसने सभी को हैरत में डाल दिया है। गुतारेस ने कहा, ''आधी आबादी को निशाना बनाने वाले इस भेदभाव, हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं तथा लड़कियों की भागीदारी को सीमित कर देता है, उनके मूल अधिकार तथा आजादी छीन लेता है तथा समान आर्थिक वृद्धि को रोक देता है।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में भारत के साथ देश का मुक्त व्यापार समझौता पारित हुआ : एंथोनी अल्बनीस

मेलर्बन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीस ने घोषणा की कि भारत के साथ देश का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) उसकी संसद से पारित हो चुका है। अलबनीज ने कहा कि भारत के साथ हमारा मुक्त व्यापार समझौता संसद से पारित हो गया है। अल्बनीज के अगले साल मार्च में भारत का दौरा करने की बात कहने के कुछ दिनों बाद यह बात सामने आई है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बनीस ने कहा कि मैंने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, जहां हम दोनों ने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच घनिष्ठ आर्थिक सहयोग समझौते को अंतिम रूप देने पर चर्चा की, जिसे हम ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच आर्थिक संबंधों के विस्तार के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। मैं मार्च में भारत का दौरा करूंगा। हम एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल को भारत ले जाएंगे। यह एक महत्वपूर्ण यात्रा होगी और हमारे दोनों देशों के बीच हमारे संबंधों में सुधार होगा। वहीं मोदी सरकार में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट में कहा, खुशी है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया

आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते को ऑस्ट्रेलियाई संसद ने पारित कर दिया है।'

भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में, ऑस्ट्रेलियाई व्यापार मंत्री डॉन फैरेल ने पिछले सप्ताह के दौरान कहा था कि यह सौदा ऑस्ट्रेलियाई सेवा कंपनियों और पेशेवरों के लिए भारतीय बाजार तक पहुँचने का एक बड़ा अवसर है। फैरेल ने कहा, हमारी द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी के लिए भारत की प्रतिबद्धता। ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) पर 2 अप्रैल को हस्ताक्षर किए गए थे। एफटीए लागू होने के बाद कपड़ा, चमड़ा, फर्नीचर, आभूषण और मशीनरी सहित भारत के 6,000 से अधिक उत्पादों को ऑस्ट्रेलियाई बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी।

रुस को आंतकवादी देश का दर्जा देगा ईयू, यूरोपीय संसद इस प्रस्ताव पर वोटिंग करने जा रही

पेरिस (एजेंसी)। रूस को आतंकवादी देश का दर्जा देने के लिए यूरोपीय संसद वोटिंग करने जा रही है। यूरोपीय संसद के उप प्रवक्ता ने ब्रीफिंग में बताया कि यूरोपीय संसद ने रूस को 'आतंकवादी राज्य के रूप में मान्यता देने पर प्रस्ताव तैयार किया है और स्ट्रासबर्ग में अपने 23 नवंबर के सत्र में इस प्रस्ताव पर मतदान करेगा। उन्होंने कहा कि बुधवार को, यूरोपीय संसद के सदस्य यूक्रेन में नागरिक सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर हमलों के आलोक में रूस को आतंकवाद का एक प्रायोजक राज्य नामित करने के प्रस्ताव पर मतदान करेगा। बता दें कि यूरोपीय संसद के प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। हालांकि, यूरोपीय संघ की मीडिया और राजनीतिक क्षेत्रों में विशिष्ट राजनीतिक पदों को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

यूरोपीय सांसदों का आरोप है कि रूस आतंकियों की तरह नागरिकों और जन केंद्रों पर लगातार हमले कर रहा है। यूक्रेन के खिलाफ अपने युद्ध में रूसी सेना ने ऊर्जा बुनियादी ढांचों, अस्पतालों, चिकित्सा सुविधाओं, स्कूलों और आश्रयों सहित नागरिक लक्ष्यों पर अपने हमले तेज किए हैं। इसके बाद ईयू संसद का कहना है कि इस प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन किया जा रहा है।

यूक्रेनी रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने बताया कि जनरल सर्गेई सुरोविकिन के नेतृत्व में रूसी सेना अक्टूबर में उनकी नियुक्ति के बाद से अधिक खतरनाक हो गई है। रूस ने नए कमांडर के आने के बाद से ही लगातार यूक्रेन के स्ट्रेटेजिक राष्ट्रव्यापी बुनियादी ढांचों पर हमलों की एक कड़ी शुरू की है, जिसकी एक बड़ी वजह क्रीमिया ब्रिज पर हुआ हमला भी है। उन्होंने रूसी बलों के नए कमांडर पर नागरिकों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भारी बमबारी करके आतंकवादी रणनीति के तहत कार्रवाई को अंजाम देने का आरोप लगाया है।

नेपाल की नई सरकार को भारत और चीन के साथ अच्छे संबंध बनाने चाहिए : प्रकाश मान सिंह

काठमांडू (एजेंसी)। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान सिंह ने कहा है कि नेपाल की नई सरकार को भारत और चीन दोनों के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाना और राष्ट्र की समृद्धि के लिए सभी मित्र देशों से सहयोग लेना चाहिए। पूर्व उप प्रधानमंत्री सिंह ने आम चुनावों में राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) द्वारा मुकाबले में उतारे गए पूर्व पत्रकार रवींद्र मिश्रा के खिलाफ 127 वोट के अंतर से प्रतिनिधि सभा का चुनाव जीता।

चुनाव जीतने के बाद सिंह (66) ने कहा, अगर उपयुक्त मौका आता है, तब मैं नई सरकार का नेतृत्व करने के लिए संसदीय दल के नेता का चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने कहा, नई सरकार को नेपाल के दोनों पड़ोसियों, भारत और चीन के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने तथा देश की आर्थिक समृद्धि एवं विकास के लिए सभी मित्र देशों से समर्थन, सहायता प्राप्त करने की आवश्यकता है।''

नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की सरकार के दौरान भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों में तल्खी आ गई थी, जब 2020 में नए मानचित्र में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाली क्षेत्र के तौर पर दिखाया गया था। लगातार ऐसी खबरें आई हैं कि चीन हुमला जिले में नेपाली क्षेत्र पर अतिक्रमण कर रहा है। हालांकि, काठमांडू में चीनी दूतावास ने इन खबरों को खारिज किया है।

एक अन्य सवाल पर वरिष्ठ नेता सिंह ने स्वीकार किया कि राजनीतिक दल लोगों की सेवा करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने आम चुनावों में नई पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनकर अपना असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ''नयी सरकार को सुशासन, भ्रष्टाचार की जांच और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने जैसे मुद्दों को हल करने के अलावा संघीय संविधान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक कानून बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है।

जनरल बाजवा के दामन पर दाग! 6 साल में अरबपति हो गई सेना प्रमुख की पत्नी, पाकिस्तान में मचा बवाल

प्योंगयॉग (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा अपने पद से कुछ ही दिनों में रिटायर होने वाले हैं। लेकिन उससे पहले ही बाजवा एक बार फिर से सुर्खियों में छाए हैं। खबर है कि जनरल कमर जावेद बाजवा के करीबी और दूर के रिश्तेदारों ने नए अंतरराष्ट्रीय बिजनेस शुरू किए हैं। विदेशों में पैसे जमा किए और दूसरे देशों में संपत्तियां खरीदी। लाहौर की एक युवती पाकिस्तानी आर्मी चीफ की बहू बनने से नौ दिन पहले ही अरबपति बन गई। कुल मिलाकर कहे तो पिछले छह साल के दौरान बाजवा के परिवार की पाकिस्तान के भीतर और बाहर संपत्ति और बिजनेस की मौजूदा मार्केट वैल्यू करीब 12.7 बिलियन से अधिक है।

अरबपति बाजवा परिवार: कमर जावेद बाजवा जब लेफ्टिनेंट जनरल बने थे, उस समय उनकी पत्नी को टैक्स भरने जरूरत भी नहीं पड़ती थी पर अब 12.7 अरब के मालिक हैं। 'बाजवालीक्स' नामक फैक्ट फोकस ने बताया कि बीते छह साल में बाजवा परिवार अरबपति बन गया। कई विदेशी संपत्तियां खरीदीं, देश में विशाल फार्महाउस, रियल एस्टेट भी है। साल 2013 के इनकम टैक्स रिटर्न में बाजवा ने बताया था कि उनकी पत्नी के नाम पर सिर्फ तीन संपत्तियां हैं। लाहौर में दो कमर्शियल प्लॉट और एक इस्लामाबाद में जिनकी कुल कीमत 70 लाख रुपए थी। रिपोर्ट के अनुसार सेना प्रम्ख बनने के बाद 2017 में उन्होंने संपत्ति के विवरण में तीन बार संशोधित किया।

पाक का नया सेना प्रमुख: पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने अगले सेना प्रमुख के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पांच नामों की सूची भेजी है। खबर के मुताबिक, रिपोर्ट में पांच शीर्ष जनरल के नाम हैं। वरिष्ठता सूची के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल आसीम मुनीर, लेफ्टिनेंट जनरल साहिर शमशाद मिर्जा, लेफ्टिनेंट जनरल अजहर अब्बास, लेफ्टिनेंट जनरल नोमान महमूद और लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हमीद जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और सेना प्रमुख के अध्यक्ष पद के लिए दावेदार हैं। रक्षा मंत्री का कहना है कि 25 नवंबर तक नए आर्मी चीफ का नाम फाइनल हो जाएगा। मौजूदा सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा 29 नवंबर को रिटायर हो जाएंगे।

हृदय परिवर्तन, ममता की कोलकाता बनेगी मोदी वाली काशी ! सीएम ने अधिकारियों को दिए ये खास निर्देश

अहमदाबाद। (एजेंसी)। काशी कहो, बनारस या फिर वाराणसी, गंगा की पवित्रता बसती है जहां दिलों को छू देने वाली प्रकृति का मनमोह लेने वाला नजारा है वहां। भगवान शिव के त्रिशूल पर टिके सबसे प्राचीन नगर वाराणसी में जहां काशी विश्वनाथ मंदिर से आती मंगला आरती की ध्वनियां और इनमें घुलता हुआ घंटियों का मधुर संगीत। इन्हीं ध्वनियों को सुनकर आदिकाल से वाराणसी जागता रहा है। लेकिन वाराणसी की गंगा आरती की तरह पश्चिम बंगाल में भी शाम के वक्त ऐसी आरती देखने को मिल सकती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता नगर निगम (केएससी) के अधिकारियों को वाराणसी की गंगा आरती की भांति यहां भी आरती के लिए हुगली नदी पर घाटों के निर्माण पर विचार करने का निर्देश दिया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के अधिकारियों को वाराणसी की गंगा आरती की भांति यहां भी आरती के लिए हुगली नदी पर घाटों के निर्माण पर विचार करने का निर्देश दिया। हालांकि, उन्होंने इसके लिए हड़बड़ी नहीं करने का निर्देश दिया। उन्होंने उनसे हुगली नदी के तट पर ऐसी जगह ढूंढ़ने को कहा, जहां गंगा आरती की शुरुआत की जा सके। बनर्जी ने राज्य सचिवालय में एक बैठक में कहा, '' हड़बड़ी करने की कोई जरूरत नहीं है, भले ही इसमें दो साल लग जाएं। लेकिन व्यवस्था सुरक्षित बनायी जानी चाहिए। '' संयोग से कोलकाता में हुगली नदी के दोनों तटों का , पश्चिम बंगाल में 2011 में ममता बनर्जी की सरकार सत्ता में आने के बाद, पुनरोद्धार एवं सौंदर्यीकरण किया गया। हजारों तीर्थयात्री एवं आम लोग वाराणसी में दसाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखने जाते हैं।

वाराणशी के दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती हमेशा से आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र रही है। देश के हर कोने से बनारस आने वाले पर्यटक शाम के वक्त होने वाली गंगा आरती में शामिल होने के लिए घाट पर जरूर पहुंचते हैं। जहां कई लोग घाट पर गंगा आरती में शामिल होते नजर आते हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो दूसरी तरफ नाव में बैठकर इसे तस्वीरों में कैद करते हैं। देश ही नहीं विदेश से आने वाले पर्यटक भी इसे देखकर काफी हर्षित होते हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में गंगा की 13 सहायक नदियों के तटों पर गंगा आती शुरू करने की योजना बन चुकी है। सीएम योगी की तरफ से नमामि गंगे योजना के आयोजनों की

समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इस संबंध में दिशा निर्देश दिए गए।

4.2 तीव्रता की भूकंप से हिली कारगिल की धरती, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। लद्दाख के कारगिल जिले में मंगलवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की तरफ से यह जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। एनसीएस ने कहा कि सुबह 10 बजकर पांच मिनट पर आए भूकंप का केंद्र कारगिल से 191 किलोमीटर उत्तर में था। उसने कहा कि भूकंप की आशंका वाले हिमालयी क्षेत्र में आए इस भूकंप का केंद्र 36.27 डिग्री उत्तर अक्षांश और 76.26 डिग्री पूर्व देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर था।

राज्यपाल के बयान पर महाराष्ट्र बीजेपी दो गुटों में बांटी

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के विवादित बयान के बाद महाराष्ट्र बीजेपी में दो गुट नजर आ रहे हैं। जहां राज्यपाल के विवादित बयान को डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का समर्थन मिला है, वहीं दूसरी ओर चंद्रशेखर बावनकुले ने गवर्नर के बयान पर आपत्ति जाहिर की है। बावनकुले ने कहा कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को शिवाजी महाराज की तुलना किसी राजनेता के साथ नहीं करनी चाहिए थी। महाराष्ट्र की जनता शिवाजी महाराज को भगवान की तरह पूजती है। जबकि फडणवीस ने कोश्यारी के बयान के विषय में कहा था कि राज्यपाल के बयान का गलत मतलब निकाला गया है। महाराष्ट्र बीजेपी के इन दो नेताओं के बयान के बाद ऐसा लग रहा है कि राज्यपाल के मुद्दे पर पार्टी दो धड़ों में बंटी हुई है। बीजेपी इनदिनों दो बयानों की वजह से बैकफुट पर है, पहला बयान महामहिम राज्यपाल द्वारा दिया गया था।, जिसमें उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को पुराने जमाने का हीरो बताया था। वहीं दूसरे बयान में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा था कि शिवाजी महाराज ने पांच बार औरंगजेब को पत्र लिखकर माफी मांगी थी। कल तक वीर सावरकर के मुद्दे पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को निशाने पर ले रही है, बीजेपी अब खुद बैकफुट पर नजर आ रही है। आलम यह है कि बीजेपी की बीजेपी में ही राज्यपाल के विषय पर दो गुट बन चुके हैं। एक ओर महाराष्ट्र में राज्यपाल फिलहाल अपने विवादित बयान के बाद अलग-थलग पड़ गए हैं। दूसरी ओर विपक्ष लगातार सरकार पर दबाव बना रहा है। एनसीपी के प्रवक्ता महेश तपासे ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखकर मांग की है कि राज्यपाल के वक्तव्य से महाराष्ट्र का सामाजिक समीकरण बिगड़ रहा है। लोगों के मन में उनके प्रति काफी आक्रोश है। उन्होंने राष्ट्रपति से यह मांग भी की है, कि राज्यपाल को महाराष्ट्र की जगह किसी दूसरे राज्य में भेजा जाए। तपासे के पत्र में यह भी लिखा गया है कि राज्यपाल अक्सर विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश में रहते हैं। न सिर्फ एनसीपी बल्कि शिवसेना और कांग्रेस भी लगातार राज्यपाल और बीजेपी पर हमला बोल रहे हैं।

असम-मेघालय सीमा पर हिंसक झड़प, 6 की मौत, 7 जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद

नई दिल्ली। असम-मेघालय सीमा से लगे मुकरोह इलाके में आज हुई फायरिंग की घटना में 6 लोगों की मौत हो गई थी। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि मंगलवार को असम-मेघालय सीमा से लगे मुक्रोह क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना में मेघालय के पांच और असम वन रक्षक के एक सहित कुल छह लोगों की मौत हो गई। मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए इस क्षेत्र में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। इस घटना के बारे में बताते हुए संगमा ने कहा, फ़आज, मुकरोह गांव में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई जिसमें असम पुलिस और असम के वन रक्षकों द्वारा की गई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई। मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। मेघालय पुलिस द्वारा एक जांच की गई और प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीएम संगमा ने कहा कि घटना की मजिस्ट्रेटिय जांच शुरू की जाएगी। मैंने असम के सीएम से बात की है और उन्होंने सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रत्येक मृतक व्यक्ति के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, असम वन रक्षकों द्वारा असम पुलिस के साथ लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक का पीछा किया गया और असम पुलिस और असम वन रक्षकों द्वारा हिरासत में लिया गया। संगमा ने कहा, यह सुनकर मुक्रोह गांव के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और असम पुलिस और वन रक्षकों को घेर लिया।

विदेशी यात्रियों को अब नहीं भरना होगा एयर सुविधा फॉर्म

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए एयर सुविधा फॉर्म भरने की शर्त को समाप्त कर दिया है। एयर सुविधा फॉर्म भारत आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को अनिवार्य रूप से भरना होता था। सरकार ने देश में कोरोना वायरस के मामलों में कमी आने के बीच यह फैसला किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए संशोधित गाइडलाइंस 22 नवंबर से प्रभावी हो गई है। एयर सुविधा फॉर्म में यात्रियों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और हाल की यात्रा के विवरण के साथ की अन्य जानकारी देनी होती थी। साथ ही उसे अपना वैक्सीन सर्टिफिकेट और नेगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट भी जमा करना होता था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक 22 नवंबर से अब यह झंझट समाप्त हो गया है। फॉर्म के शर्तों के मुताबिक विदेशों से भारत आने वाले 5 साल से अधिक उम्र वाले सभी यात्रियों के लिए फ्लाइट में बैठने से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना अनिवार्य था। दुनिया के कई देशों में आरटी-पीसीआर कराना काफी महंगा है। सरकार की तरफ से नियमों में यह ढील ऐसे समय में आई है, जब उसने हवाई यात्रियों के लिए एयरपोर्ट और फ्लाइट में मास्क पहना भी अनिवार्य से स्वैच्छिक कर दिया है। पिछले महीने ही एफएचआरएआई ने सरकार से एयर सुविधा फॉर्म भरने की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग की थी। एफएचआरएआई ने कहा था कि कोरोना महामारी का प्रकोप अब काफी कम हो गया है, ऐसे में यह फॉर्म अब पर्यटन के विकास में बाधक बन रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या के लिए बंदूक खोजने में सावरकर ने की थी गोडसे की सहायता : तुषार गांधी

मुंबई। देश में एक बार फिर, सावरकर को लेकर राजनीति गरमा गई है। इस बार महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने दावा किया है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विनायक दामोदर सावरकर ने राष्ट्रपिता की हत्या के लिए नाथूराम गोडसे को एक कारगर बंदूक खोजने में मदद की थी। तुषार गांधी के इस बयान के बाद एक बार फिर से बयानबाजियों का दौर शुरू हो गया है। वीर सावरकर को लेकर तुषार गांधी ने ट्वीट किया कि सावरकर ने न केवल अंग्रेजों की मदद की, उन्होंने बापू की हत्या के लिए नाथूराम गोडसे को एक कारगर बंदूक खोजने में भी मदद की। बापू की हत्या से दो दिन पहले तक गोडसे के पास एम के गांधी की हत्या के लिए

एक विश्वसनीय हथियार नहीं था। तुषार गांधी की इस टिप्पणी पर भाजपा तरफ से बयान आया है। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने तुषार गांधी की इन टिप्पणियों को निराधार बताया है। गौरतलब है कि हाल ही में वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी के बाद पूरे देश मे बवाल मचा था। सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी को महाराष्ट्र में उनके गठबंधन के साथी उद्धव ठाकरे ने भी निराधार बताया था। दरअसल भारत जोड़ो यात्रा के महाराष्ट्र पहुंचने पर राहुल गांधी ने सावरकर को लेकर कहा था कि विनायक दामोदर सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी। उन्होंने कहा कारगार में रहने के दौरान सावरकर ने डर के कारण माफीनामे में हस्ताक्षर कर महात्मा गांधी और अन्य समकालीन नेताओं को धोखा दिया था। राहुल गांधी ने संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए सावरकर के माफीनामे की एक प्रति भी दिखाई।

पीओके को लेकर राजनाथ के बयान पर बोले उत्तरी सेना के कमांडर

जब भी आदेश दिए जाएंगे, हम हमेशा इसके लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि भारत की उत्तर में विकास यात्रा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित और बाल्टिस्तान के हिस्सों में पहुंचने के बाद पूरी होगी। अब इसी को लेकर भारतीय सेना की ओर से बयान आया है। रक्षा मंत्री के इस बयान पर उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जहां तक ??भारतीय सेना का संबंध है, वह भारत सरकार द्वारा दिए गए किसी भी आदेश को पूरा करेगी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यह भी कहा कि सेना हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि युद्धविराम की समझ कभी न टूटे क्योंकि यह दोनों देशों के हित में है, लेकिन अगर किसी भी समय टूटा तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

इसके साथ ही उत्तरी सेना के कमांडर ने कहा कि जब भी इस तरह के आदेश दिए जाएंगे, हम हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने बहुत हद तक आतंकवाद को नियंत्रित कर लिया है। बिना किसी देश के नाम लिए उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी देश पिस्टल को यहां लाने, ग्रेनेड को भेजने और ड्रग्स को बेचने की कोशिश कर रहा है। वो छोटी-छोटी हरकत करना

चाहता है लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा कि लॉन्चपैड पर लगभग 160 आतंकवादी बैठे हैं जिनमें पीर पंजाल के 130 उत्तर और पीर पंजाल के दक्षिण में 30 हैं। पूरे भीतरी इलाकों में कुल 82 पाकिस्तानी आतंकवादी और 53 स्थानीय आतंकवादी बैठे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त और अज्ञात रहने वाले लगभग 170 आतंकवादी भी यहां हैं। इस प्रकार कुल 300 वर्तमान में क्षेत्र में फैले हुए हैं लेकिन हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे किसी भी अप्रिय गतिविधि में शामिल नहीं हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में 50त्न से अधिक लोग हैं जो 25 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि हम उन्हें अग्निवीर के रूप में लेते हैं, उन्हें पढ़ाते हैं और उन्हें वापस भेजते हैं, तो कुछ हमारे द्वारा अवशोषित किए जाएंगे, अन्य अर्धसैनिक, पुलिस बलों द्वारा और शेष स्व-नियोजित हो सकते हैं।

दिल्ली में इस बार पड़ेगी कड़ाके की सर्दी, इसी माह 6 डिग्री तक गिर जाएगा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी की वजह से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस हफ्ते के आखिरी में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और नवंबर के अंत में ठंड का अच्छा खासा असर देखने को मिलेगा। नवंबर के अंत तक न्यूनतम तामपान 6 से 7 डिग्री के आसपास तक उतर सकता है।

दिल्ली में सोमवार न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले रविवार को 9.6 और शनिवार को 9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। सोमवार न्यूनतम तापमान सीजन में सबसे कम रहा। हवा में नमी का स्तर 36 से 90 प्रतिशत तक रहा। राजधानी में दिन के समय सबसे ठंडा इलाका मयूर विहार रहा। इसके अलावा लोदी रोड, मंगेशपुर में तापमान 9 डिग्री के पास रहा।

मंगलवार को दिन में अधिकतम तापमान बढ़कर 27 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं न्यूनतम तामपान 9 डिग्री तक रह सकता है। धूप की वजह से दिन के समय ठंड से राहत रहेगी। अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री के आसपास रहेगा। स्काईमेट के अनुसार पश्चिमी हिमालय में सक्रिय हुआ वेस्टर्न डिस्टरबेंस अब पूर्व की तरफ बढ़ चुका है। पश्चिमी हिमालय से शुष्क और बर्फीली ठंडी हवाएं पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के न्यूनतम तापमान को गिरा सकती हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीत लहर जैसे हालात हो सकते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विद्युत संशोधन विधेयक 2022 को स्थायी समिति को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विद्युत संशोधन विधेयक 2022 को जांच और विचार करने के लिये ऊर्जा मामलों की स्थायी समिति को भेजा है। यह समिति तीन माह के भीतर रिपोर्ट देगी। लोकसभा की विधायी शाखा के बुलेटिन से इसकी जानकारी मिली है। मोदी सरकार ने संसद के मानसून सत्र के दौरान अगस्त में लोकसभा में विद्युत संशोधन विधेयक 2022 पेश किया था। तब कांग्रेस, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने इसका विरोध कर इस बिल को संघीय ढांचे के खिलाफ बताया था।

उस समय निचले सदन में ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने कहा था कि वह इस विधेयक को विचार के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजने का आग्रह करते हैं। लोकसभा की विधायी शाखा के 21 नवंबर के बुलेटिन में बताया कि सदस्यों को सूचित किया जाता है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में पेश विद्युत संशोधन विधेयक 2022 को जांच एवं विचार करने के लिये ऊर्जा मामलों की स्थायी समिति को भेजा है और इस पर तीन महीने में रिपोर्ट पेश

होगी। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि विद्युत क्षेत्र के सभी खंडों उत्पादन, पारेषण और वितरण परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। पारेषण ग्रिड को ''राष्ट्रीय ग्रिड'' में एकीकृत कर दिया गया है और सभी परिवारों तक ग्रिड विद्युत पहुंच है। फिर भी विद्युत क्षेत्र की निरंतरता के साथ नई चुनौतियां, संविदा प्रवर्तन, भुगतान सुरक्षा तंत्र, ऊर्जा परिवर्तन और उपभोक्ताओं को विकल्प प्रदान करने की आवश्यकता है, ताकि प्रतिस्पर्धा का संवर्द्धन हो सके। इसके कारण अधिनियम में कुछ संशोधन करना आवश्यक हो गया था। इसमें कहा गया है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन चिंताओं और हमारी नवीकरणीय ऊर्जा में भागीदारी में वृद्धि करने की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता के मद्देनजर हमारे पर्यावरण के लिये हरित ऊर्जा के महत्व को ध्यान में रखते हुए अधिनियम में संशोधन जरूरी है।

बारिश की मार के बाद महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को दी बड़ी राहत, अब नहीं चुकाना पड़ेगा बिजली बिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भारी बारिश से प्रभावित किसानों के लिए बड़ी खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। ऐसे में सरकार ने किसानों को बिजली बिल जमा करने से छूट दी है। महाराष्ट्र सरकार ने साफ तौर पर कहा है कि जिन किसानों को भारी बारिश की वजह से नुकसान हुआ है, उन्हें बिजली बिल जमा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। सरकार के इस फैसले के बाद राज्य के लाखों किसानों को फायदा हुआ है। इस बात की जानकारी महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी है। उन्होंने कहा कि सरकार के बिजली इकाइयों से जुड़ी कोई भी एजेंसियां किसानों को बिल जमा करने के लिए बाध्य नहीं करेगी।

फडणवीस ने यह भी कहा कि जिन किसानों को बारिश की वजह से नुकसान हुआ है, उन पर यह दबाव नहीं डाला जाएगा। इन किसानों को 2 महीने का बिजली बिल नहीं जमा करना पड़ेगा। इसका मतलब साफ है कि बारिश की वजह से प्रभावित लाखों किसानों को सितंबर तथा अक्टूबर महीने का बिजली बिल जमा नहीं करना पड़ेगा। फडणवीस ने यह भी कहा कि जो किसान बिजली बिल जमा करने में सक्षम हैं, वह इसका भुगतान कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मैंने राज्य की बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारियों की आदेश दे दिया है। किसानों पर बिजली बिल जमा करने का दबाव नहीं डाला जाएगा। आपको बता दें कि इस बार महाराष्ट्र में भारी बारिश की वजह से किसानों के फसल बर्बाद हो गए हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने ऐलान में यह भी कहा है कि कई किसानों का बिजली बिल लंबे समय से बाकी है और उनके कनेक्शन काटे जाने की कार्यवाही भी की जा रही है। फिलहाल इन किसानों को इस सीजन का बिजली बिल जमा करना पड़ेगा और उनका कनेक्शन भी नहीं कटेगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के बयान पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जब तक सूरज और चंद्रमा का अस्तित्व रहेगा, महान योद्धा शिवाजी राज्य और देश के नायक और आदर्श बने रहेंगे। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के मन में भी इस बारे में कोई संदेह नहीं है।

23 से 4 दिन के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होंगी प्रियंका, आज बुरहानपुर से मप्र में प्रवेश करेगी यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार से मध्य प्रदेश में 4 दिनों के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होंगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार सुबह ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया भारत जोड़ो यात्रा के लिए आज भी विश्राम का दिन है। बुधवार को यात्रा बुरहानपुर के पास मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वहां 4 दिनों के लिए यात्रा में शामिल होंगी।

बीते 7 सितंबर से आरंभ हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' में अब तक प्रियंका गांधी शामिल नहीं हुई हैं। वह पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान में व्यस्त थीं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी कर्नाटक के मांड्या में इस यात्रा का हिस्सा बनी थीं और राहुल गांधी के साथ पदयात्रा की थी। राहुल गांधी और कई अन्य नेताओं ने सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से इस यात्रा की शुरुआत की थी। वे 3570 किलोमीटर की दूरी तय करके श्रीनगर पहुंचेंगे और यह यात्रा संपन्न होगी।

डिंपल के प्रचार में जुटे शिवपाल, मैनपुरी फतह करने में जुटा पूरा मुलायम कुनवा

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। इस दौरान मुलायम सिंह यादव के परिवार की एकता भी साफ दिख रही है। सपा ने मैनपुरी से डिंपल यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। डिंपल के पक्ष में प्रचार के लिए अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, शिवपाल यादव सहित तमाम यादव परिवार के सदस्य लगातार सामने आ रहे हैं। मंगलवार को शिवपाल फिर लगातार बहू के पक्ष में प्रचार करते दिखाई दिए। अखिलेश से दूरियों के बीच यह पहला मौका है, जब वह सार्वजनिक तौर पर डिंपल यादव के लिए प्रचार करते दिखाई दे रहे हैं। इसके पहले अखिलेश ने चाचा शिवपाल के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। शिवपाल और अखिलेश यादव के बीच 2017 से रिश्ते सामान्य नहीं रहे है।

मुलायम के निधन के बाद दोनों एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इसकारण समाजवादी पार्टी ने शिवपाल को प्रचार सूची में शामिल किया था। शिवपाल यादव ने अखिलेश को आश्वस्त करते हुए कहा कि जैसे नेता जी को कभी मैंने निराश नहीं किया, वैसे मैं आपको भी निराश नहीं करूंगा। शिवपाल ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा ने हमेशा देश को बांटने का काम किया है। प्रदेश में बेरोजगारी, गरीबी बढ़ी है। इस दौरान शिवपाल ने नेताजी से जुड़े कई किस्सों को भी सुनाया। शिवपाल और अखिलेश यादव के एक साथ आने से कार्यकर्ताओं में भी उत्साह में है।शिवपाल ने भाजपा उम्मीदवार रघुराज सिंह शाक्य का नाम लिए बिना कहा कि वह उनके शिष्य या चेला नहीं हैं। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव को लेकर प्रचार जारी है। सपा के लिए सीट बेहद चुनौती वाली सीट बनती दिखाई दे रही है। दरअसल, अखिलेश हर कीमत पर इस सीट हो अपने कब्जे में रखना चाहते हैं। क्योंकि यह उनके लिए किसी विरासत से कम नहीं है। वहीं, भाजपा ने शाक्य उम्मीदवार को उतारकर समाजवादी पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। इस बीच मैनपुरी में लगातार पार्टी के लिए चुनाव प्रचार समाजवादी पार्टी के नेता कर रहे हैं। इस कड़ी में मुलायम की भतीजे और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव भी पार्टी के लिए प्रचार करने पहुंचे थे।

नेताजी को याद कर रोने लगे भतीजे धर्मेंद्र यादव : इस दौरान धर्मेंद्र यादव नेताजी को याद करते हुए मंच पर ही फफक-फफक कर रोने लगे। इस दौरान शिवपाल भी साथ में मंच पर खड़े रहे। हालांकि, इस दौरान लोगों ने नेताजी अमर रहे के नारे लगाए। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि नेताजी के बिना चुनाव की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने कहा था कि मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि नेताजी के बिना भी चुनाव लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि मैनपुरी के लोगों जिन्होंने नेताजी के जाने के बाद चुनाव को चुनौती देने की कोशिश की है। उन्हें आप लोग अपने वोटों से जमकर जवाब देना। उन्होंने कहा कि जो लोग कुछ दिन पहले सैफई में नेताजी को श्रद्धांजलि दे रहे थे, वह आज नेताजी के खिलाफ उम्मीदवार बनकर घूम रहे हैं।

धर्मेंद्र यादव का इशारा साफ तौर पर भाजपा उम्मीदवार रघुराज शाक्य पर था। रघुराज शाक्य मुलायम सिंह यादव और शिवपाल यादव के बेहद करीबी माने जाते हैं। हालांकि, अखिलेश यादव से लगातार नाराज रहते हैं जिसकी वजह से उन्होंने समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

आप और भाजपा दोनों दल निगम चुनाव में कर रहे हैं धन, बल का दुरुपयोग : चौधरी अनिल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों दल निगम चुनाव में धन और बल का दुरुपयोग कर रहे हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को चुनाव आयोग के सामने उठाएगी। चौधरी ने एक बयान जारी कर कहा कि निगम चुनाव में भाजपा दूसरे प्रत्याशियों को डरा रही है। इस मुद्दे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री भी चुप हैं। यह दोनों दल दिल्ली की जनता के हितों के बारे में नहीं सोचते हैं। इस लिए निगम चुनाव में जनता इन दोनों दलों को जवाब देगी। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनाव भ्रष्टाचार, प्रदूषण, गंदगी, कूड़े के पहाड़ों के मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए। जिसको कांग्रेस पार्टी क्रमवार उठाकर भाजपा और आम आदमी पार्टी की विफलताओं को दिल्ली वासियों के सामने उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी निगम चुनावों में जीतने के बाद दिल्ली का कायाकल्प करेगी। जिसका हम संकल्प कर चुके हैं।

'केजरीवाल की सरकार, केजरीवाल का पार्षद' थीम के साथ 23 नवंबर से तेज होगा 'आप' का एमसीडी चुनाव प्रचार

नई दिल्ली। 'केजरीवाल की सरकार, केजरीवाल का पार्षद' थीम के साथ 23 नवंबर से आम आदमी पार्टी एमसीडी चुनाव प्रचार का चूसरा चरण शुरू करने जा रही है। 1000 नुक्कड़ सभा, डांस फॉर डेमोक्रेसी, नुक्कड़ नाटक, गिटार शो, मैजिक शो आदि बज गतिविधियों के माध्यम से 'आप' एमसीडी चुनाव प्रचार को तेज करेगी। यह प्रचार दो दिसंबर यानी कि चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले तक चलता रहेगा। 'आप' प्रदेश संयोजक और कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि 23 नवंबर से 2 दिसंबर तक हमने 1000 नुक्कड़ सभा वार्डों के अलग-अलग चौराहों पर करने का निर्णय लिया है। जिसमें हमारे सभी स्टार प्रचारक, विधायक भाग लेंगे। हर वार्ड में केजरीवाल का पार्षद होगा तो जनता के काम जो 15 साल से भाजपा वादा करके धोखा देती रही, वह सभी काम अगले 5 साल में पूरे किए जाएंगे। जिस तरह का जन समर्थन दिख रहा है, हमें भरोसा है कि प्रचंड बहुमत से एमसीडी में भी अरविंद केजरीवाल की सरकार बनेगी।

दूसरे चरण के कैंपेन की घोषणा करते हुए गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी कल से प्रचार के दूसरे चरण 'केजरीवाल की सरकार केजरीवाल का पार्षद' की शुरुआत करने जा रही है। पूरी दिल्ली में जिस तरह से जनसंवाद में, पदयात्रा में, डोर टू डोर में, जन समर्थन मिल रहा है, वह इस बात के साफ संकेत दे रहे हैं कि इस बार एमसीडी में भी अरविंद केजरीवाल की सरकार आने जा रही है। इसलिए अगले चरण का जो थीम है उसके माध्यम से दिल्ली के सभी वार्डों में लोगों से यही निवेदन है कि सभी वार्डों में पार्षद भी अरविंद केजरीवाल का ही बनाइए। अगर केजरीवाल का पार्षद होगा तो आपके काम जो 15 साल से भाजपा वादा करके धोखा देती रही, उन सभी कामों को अगले पांच सालों में पूरा किया जाएगा।

लोनी में हुआ डबल मर्डर, बुजुर्ग दंपत्ति की गला दबाकर हत्या

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी इलाके में मंगलवार सुबह डबल मर्डर की सूचना मिलने से सनसनी फैल गई। घर में मृत अवस्था में बुजुर्ग दंपत्ति मिले। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है किसी रंजिश के चलते यह हत्या की गई है। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला है की यह बुजुर्ग दंपत्ति बेहद गरीब हैं और इनके घर से कोई भी सामान गायब नहीं मिला। इसलिए यह हत्या रंजिश में की गई हत्या लग रही है। फिलहाल पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया है जो मौके पर जांच कर रही है। साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र की चर्च कॉलोनी में पति पत्नी की हत्या हुई है। मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और एसपी ग्रामीण भी पहुंचे हैं। एसएसपी गाजियाबाद ने बताया कि बुजुर्ग दंपत्ति की गला घोट कर हत्या की गई है। बगल में रहने वाली बेटी फातिमा को सुबह 6 बजे दूध लेने जाते समय घटना की जानकारी मिली। उसके बाद पुलिस को बताया गया कि बुजुर्ग दंपत्ति कबाड़ी का काम करते थे। पिछले 15 साल से इसी जगह रह रहे थे मृतक बुजुर्ग दंपत्ति। उन्होंने बताया कि सुबह डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि थाना ट्रोनिका क्षेत्र मे वृद्ध दम्पत्ति इब्राहिम खान एवं इनकी पत्नी हाजरा की गला दबाकर किसी ने हत्या कर दी है।

आम आदमी पार्टी पैसे लेकर बेच रही है निगम के टिकट : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी (आप) पैसे लेकर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के टिकट दे रही है। पार्टी ने इसे साबित करने के लिए स्टिंग ऑपरेशन भी जारी किया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दिल्ली प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मीडिया के सामने एक स्टिंग वीडियो साझा किया। इस दौरान संबित ने कहा कि आप नेता पैसा लेकर निगम का टिकट दे रहे हैं। संबित ने कहा कि यह स्टिंग आप ने जुड़े रहे लोगों ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पैसे लेकर टिकट देने के लिए केजरीवाल ने एक टीम बना रखी है। आप ने 110 निगम टिकट को पैसे लेकर देने के लिए आरक्षित किए थे। लेकिन केजरीवाल के सारे पोल धीरे-धीरे खुल रहे हैं।

डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी रोहिणी के वार्ड नंबर 54 यानि रोहिणी डी की है जहां से इस पूरे स्टिंग को अंजाम दिया गया। इसमें मुख्य रुप से आम आदमी पार्टी के रोहिणी विधायक कॉडिनेटर इंचार्ज और गोपाल राय के करीबी पुनित गोयल, राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता के समधी दिनेश श्राफ, इसके बाद केजरीवाल के आर आर पठानिया जो आम आदमी पार्टी एस.सी. एस.टी. प्रकोष्ठ के प्रभारी का नाम भी इस पूरे स्टिंग से सामने आया है।

डॉ. संबित पात्रा ने वीडियो में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि वीडियो में सबसे पहले बिंदु श्रीराम दिनेश श्रॉफ और पुनित गोयल से मिलती हैं जहां पैसों को लेकर बातचीत होती है। फिर टिकट के बदले 80 लाख रुपये की मांग होती है। आम

आदमी पार्टी एक पी.ए.सी. कमिटी चलाती है जो टिकट किसको देना है और कितने में देना है, यह सब कुछ तय करती है। डॉ पात्रा ने कहा कि वीडियो में साफ कहते हुए सुना जा सकता है कि उस कमिटी में गोपाल राय, दुर्गेश पाठक, आतिशि मार्लेना और आदिल खान का नाम शामिल हैं जिनका अंतिम फैसला होता है। डॉ संबित पात्रा ने कहा कि वीडियो में साफ कहा गया है कि लगभग 110 सीट की बुकिंग हो गई है, इसलिए जल्दी करें। आर आर पठानिया वीडियों में साफ कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि पुनित गोयल को पैसे देने से भी काम हो जाएगा क्योंकि उसकी मैंने सबसे जान पहचान करा दी है। उन्होंने कहा कि वीडियो में आर आर पठानिया कहते हैं कि पी.एस.सी. की हेड राखी बिरलान को भी इसकी जानकारी दे दी जाएगी और पहले 21 लाख, फिर 40 लाख और उसके बाद 21 लाख देने की बात कही गई जिससे सीट पक्की हो जाए।

प्रेसवार्ता में रोहिणी से भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आप ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में भी पैसे लेकर टिकट दिए थे। निगम चुनाव में भी वही हो रहा है। इस मामले की जांच होनी चाहिए। प्रेसवार्ता में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, दिल्ली भाजपा प्रवक्ता हरीश खुराना एवं आम आदमी पार्टी की कार्यकर्ता जिन्होंने इस पूरे स्टिंग को अंजाम दिया बिंदु श्रीराम उपस्थित रहें। बिंदु श्रीराम ने आप पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर गलती से भी आप के प्रत्याशी जीतकर आते हैं तो वह जनता की सेवा बाद में करेंगे पहले वे अपने पैसों की वसूली जनता के हित में आए हुए फंड से करेंगे। उन्होंने दावा किया कि ऐसे वीडियो और कई लोगों के पास इस तरह के वीडियो हैं, लेकिन वे अभी घबरा रहे हैं। केजरीवाल के एक-एक करतूतें धीरे-धीरे बाहर आएगी। दिल्ली की जनता अब और धोखे में नहीं रहने वाली और आगामी चुनाव में भाजपा को ही समर्थन देने वाली है।

एमसीडी चुनाव में हार के डर से 'आप' को बदनाम करने के लिए भाजपा रोज निकाल रही फर्जी स्टिंग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं तिमारपुर से विधायक दिलीप पांडेय ने दिल्ली भाजपा द्वारा 'आप' के खिलाफ जारी किए गए स्टिंग पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दिलीप पांडेय ने प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा रोज-रोज जो स्टिंग जारी कर रही है वह बिल्कुल फर्जी हैं। इससे एक चीज तय हो चुकी है कि भाजपा एमसीडी का चुनाव बुरी तरह हार रही है। चुनाव हारने की बौखलाहट में वह दिनभर फर्जी स्टिंग निकालते रहते हैं। कहीं भी बैठकर वीडियो बना लेते हैं।

जनता भाजपा से पूछ रही है कि 15 सालों में आपने किया क्या है। हकीकत तो यह है कि यदि भाजपा ने 15 सालों में वाकई कुछ किया होता तो यह

फर्जी स्टिंग निकालने की नौबत नहीं आती। लेकिन इससे भी भाजपा को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। भाजपा जो नाम ले रही है, उसके पीछे की वजह को समझिए। आज के समय में सबसे ज्यादा मांग आम आदमी पार्टी की है। नतीजा क्या हुआ? चूंकि मांग बहुत ज्यादा है इसलिए हर जगह दलालों की नियुक्ति हो गई।

उन्होंने कहा कि वीडियो में एक चीज साफ हो रही है कि पैसे से टिकट नहीं मिला। आम आदमी पार्टी ने किसी को भी पैसे लेकर टिकट नहीं दिया है। यहां पर पैसों से टिकट नहीं मिलती है। टिकट सिर्फ उन्हीं को मिलता है जो जमीनी स्तर पर लोगों के बीच रहकर काम करते हैं। सौ बातों की एक बात यह है कि भाजपा ने 15 सालों में कोई काम नहीं किया है इसलिए लोग बिठाकर वीडियो बनाने पड़ते हैं।

दिल्ली के पूर्वांचल समाज ने छोड़ा आप का साथ, भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विजय गोयल एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद मनोज तिवारी की उपस्थिति में आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय भगत, संगठन मंत्री अमरनाथ यादव, उपाध्यक्ष वी.के. जायसवाल एवं अन्य प्रदेश पदाधिकारियों के आलावा घोंडा विधानसभा से आप उपाध्यक्ष प्रोमिला सैन, वार्ड प्रभारी बलवीर सिंह परमार, घोंडा वार्ड की उपाध्यक्ष निर्मला देवी एवं पूर्वांचल मोर्चा उपाध्यक्ष भीम कुमार जायसवाल, प्रजापति महिला संगठन अध्यक्ष आरती प्रजापति सहित पूरी आम आदमी पार्टी का पूर्वांचल मोर्चा कार्यकारिणी आज भाजपा में शामिल हो गया। इस मौके पर विधायक अजय महावर, पूर्व महापौर आरती मेहरा, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता अजय सहरावत, सारिका जैन, प्रदेश भाजपा मीडिया रिलेशन विभाग के सह-प्रमुख विक्रम मित्तल, दिल्ली के पूर्व उपमहापौर विजय भगत, पूर्वांचल मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष मनीष सिंह भी उपस्थित थे। विजय गोयल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के कई स्टिंग सामने आ रहे हैं और इसलिए यह बात तय है कि आम आदमी पार्टी द्वारा पूरे 250 सीटें बेची गई है और इसलिए आप के मेहनती कार्यकर्ता जो सालों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं, वे खफा हैं और पार्टी का साथ छोड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी चुनाव में 230 सीटों को जीतकर एक बार फिर से निगम में आने वाली है क्योंकि आम आदमी पार्टी से दिल्लावीलों का मोह भंग हो चुका है। ये वे लोग नहीं है जो अन्ना आंदोलन में थे और देश में भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात करते थे बल्कि सत्ता को हासिल करने के लिए जितने गलत तरीके हो सकते हैं, वे सभी अपना रहे हैं।वहीं मनोज तिवारी ने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के पूर्वांचल मोर्चे का भाजपा में विलय हो गया। आम आदमी पार्टी के कारण आज दिल्लीवासी ठगे हुए महसूस कर रहे हैं और यही कारण है कि अब आप कार्यकर्ताओं को भी अपनी पार्टी और पार्टी के मुखिया केजरीवाल पर भरोसा नहीं रहा।

जेएनयू में पीएचडी प्रवेश परीक्षा से संबंधित समस्याओं से छात्र परेशान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो हमेशा छात्रहितों के लिए अग्रणी पंक्ति में खड़ा रहता हैं। विगत कुछ दिनों में जेएनयू में पीएचडी प्रवेश परीक्षा से संबंधित समस्याओं से विद्यार्थी परेशान थे। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद ने छात्र समुदाय के लिए निम्न मुद्दों को उठाया है।

इसमें जेआरएफ के माध्यम से पीएचडी के लिए आवेदन विंडो को दोबारा खोला जाए, नेट-योग्य उम्मीदवारों को जेआरएफ के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जानी चाहिए, एक ही दिन दो पेपर वाले छात्रों के लिए एक ही परीक्षा केंद्र की मांग, जेआरएफ के माध्यम से पीएचडी के लिए वाइवा-वॉयस की सीमा को हटा देना चाहिए, जो अब 30 प्रतिशत है और वायवा वास प्रतिशत अनुपात को 30

प्रतिशत से 10 प्रतिशत किया जाए।

वहीं 15 नवंबर को इन्ही मांगों के साथ, अभाविप जेएनयू के डायरेक्टर ऑफ एडमिशन का पुतला दहन किया। जिसके फलस्वरूप अब जेएनयू का पीएचडी पोर्टल दोबारा खुल चुका है। अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष रोहित ने कहा कि संघर्ष से समाधान अभाविप जेएनयू हमेशा विद्यार्थीयों के साथ है। वर्तमान समय में पूरे जेएनयू परिसर में अगर कोई एक छात्र संगठन है।

छात्रों के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाते हैं तो एबीवीपी ही हैं। आज के हमारे धरना प्रदर्शन में हमें आम छात्रों का सहयोग जिस तरह से मिला है, उससे ये साफ देखने को मिल रहा है कि जेएनयू के छात्रों को भी अब ये बात साफ हो गई है कि कौन सा छात्र संगठन उनके साथ है और कौन उनके बेहतरी के लिए कैंपस में प्रयतरत्न हैं। वहीं संगठन मंत्री उमेश चंद्र अजमीरा ने कहा, हमारी ये मांग काफी समय से चल रही है की वायवा को सत प्रतिशत से हटाया जाए। आज हमारी धरना का ये नतीजा हुआ है कि जेएनयू प्रशासन ने जेआरएफ के माध्यम से पीएचडी के लिए आवेदन विंडो को दोबारा खोला है। एबीवीपी आगे भी जेएनयू कैंपस के बेहतरी के लिए ऐसे तमाम मुद्दे उठाती रहेगी जो छात्र हित में हो।

सोशल मीडिया स्टार की एक्सीडेंट में मौत

ग्रेटर नोएडा। सोशल मीडिया स्टार की एक्सीडेंट में मौत हो गई और उसके दो अन्य साथी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बना चुके रावड़ी भाटी उर्फ रोहित भाटी की सड़क हादसे में मौत हो गई। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र के चुहड़पुर अंडरपास के करीब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। मूल रूप से बुलंदशहर के सिकंदराबाद निवासी रोहित भाटी सोशल मीडिया पर रावडी भाटी के नाम से मशहूर था। रावड़ी फिलहाल ग्रेटर नोएडा के चाई सेक्टर स्थित निंबस सोसाइटी में रहता था। सोमवार तड़के 3:15 बजे रावडी अपने साथी दनकौर के अट्टा निवासी मनोज और आतिश को घर छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान उसकी तेज रफ्तार कार चुहड़पुर अंडरपास के करीब अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

रोहित भाटी के इंस्टाग्राम पर 9 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। प्रशंसकों ने उसके नाम से कई अकाउंट बना रखे हैं। यूट्यूब पर भी उसकी कई एक्टिंग डायलॉग और गाने आदि के वीडियो हैं। उसकी मौत के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए गए।

व्यापारी समाज के साथ भाजपा करेगी 100 से ज्यादा नुक्कड़ सभाएं-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनावों में व्यापारियों की अहम भूमिका को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व्यापारियों के साथ 100 से ज्यादा नुक्कड़ और छोटी सभाएं करने जा रही है। व्यापारी समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा हमेशा से व्यापारियों के हितों का ध्यान रखा है, इसी वजह से व्यापारियों का लंबा साथ भाजपा के साथ रहा है। उन्होंने कहा प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने व्यापारियों के लियें व्यापार प्रमोशन के नये अवसर उत्पन्न किये हैं और हम जैसे जैसे चुनाव प्रचार मे जा रहे हैं व्यापारियों का व्यापक स्नेह समर्थन हमे मिल रहा है।

वहीं व्यापारियों के साथ कार्यक्रम संयोजक नरेश कुमार ऐरन ने कहा कि हम इन छोटी बैठकों का आगाज 23 नवंबर बुध विहार से करने जा रहे हैं। इसमें हम इलाके के सभी व्यापारियों को बुलाकर उनसे चुनावों के बारे में चर्चा करेंगे। इसी तरह हम संवाद कार्यक्रम भी करने जा रहे हैं। ऐरन ने कहा कि निगम चुनावों को देखते हुए व्यापारी समाज में भाजपा का अच्छा माहौल है। हम इन नुक्कड़ सभाओं में भाजपा की नीतियों को समाने रखेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में व्यापारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया है। बड़ी संख्या में व्यापारियों ने अपने सुझाव भाजपा के संकल्प पत्र में दिए हैं। जिनको भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में शामिल किया है। ऐरन ने बताया कि भाजपा ने 30 से ज्यादा व्यापारी समाज के लोगों को उम्मीदवार बनाया है और दिल्ली की लगभग 200 सीटों पर व्यापारी समाज का असर होता है।

मनीष सिसोदिया द्वारा देश के कानून पर सवाल खड़े करने पर कार्रवाई हो-कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल ने प्रेस वार्ता में कहा कि जब जेल के अंदर से सत्येन्द्र जैन का वीडियो वायरल हुआ तो उससे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेसवार्ता कर देश के कानून पर ही सवाल उठा दिया।

कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि आज हमने चुनाव आयुक्त को एक पत्र लिखकर कहा है कि केजरीवाल द्वारा जितने भी तथ्यहीन और झूठे आरोप लगाए गए हैं जो जनता को भ्रमित करने के लिए उन्हें हटाया जाए और आरोप लगाने वालों के ऊपर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जेल के अंदर बैठे केजरीवाल सरकार के मंत्री को वो सारी सुख सुविधाएं मिल रही हैं जो जेल मैन्यूल में है ही नहीं। सत्येन्द्र जैन ने जेल मैन्यूल की धज्जीयां उड़ा दी। मसाज फैसिलीटी के वीडियो बाहर आने के बाद केजरीवाल और उनके सभी मंत्री सत्येन्द्र जैन जैसे भ्रष्ट मंत्रियों को बचाने के लिए एक साथ देश के कानून पर ही आरोप लगाने लगते हैं। मतलब ये कि उल्टे चोर कोतवाल को डांटे। आज दिल्ली की जनता जेल के अंदर हुए भ्रष्टाचार का जवाब मांग रही है।

अंत में कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि देश के अंदर यह पहला किस्सा होगा जब एक आरोपित मसाज के साथ-साथ अरविंद केजरीवाल के संरक्षण पर सारी सुविधाएं ले रहे हैं। इसके लिए ऑफिसर को धमकाया जा रहा है।

लेकिन अब चार दिसंबर को वोट होगा वह पूरी तरह केजरीवाल के भ्रष्टाचारों पर चोट होगी और आने वाले समय में भाजपा दो तिहाई बहुमत से चुनाव जीतकर एक बार फिर से निगम में दिल्लीवासियों की सेवा करेगी।

गाजियाबाद में ट्रेन में चोरी करने वाले सांसी गैंग का पर्दाफाश, तीन शातिर गिरफ्तार

गाजियाबाद। जनपद की जीआरपी और आरपीएफ पुलिस को एक बड़ी कामयाबी उस वक्त हाथ लगी।जब मुखबिर की सूचना पर ट्रेनों में चोरी करने वाले सांसी गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई ?15000 की नकदी के अलावा करीब 1200000 रुपए के जेवरात भी बरामद किए हैं। पुलिस की मानें तो यह गैंग पिछले काफी समय से ट्रेनों में सक्रिय था। लेकिन इस बार इस गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए जीआरपी क्षेत्राधिकारी सुदेश सिंह ने बताया कि पिछले काफी समय से ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के माध्यम से शिकायत मिल रही थी। कि ट्रेनों में

चोरों का एक गैंग सक्रिय है जो मौका पाते ही यात्रियों के ब्रीफकेस और अन्य बैगों को चोरी कर लेते हैं। इस गैंग के गुर्गों को गिरफ्तार करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ की विशेष टीम ने संयुक्त अभियान चलाया और सांसी गैंग के फूल सिंह सांसी पुत्र फकीर या उर्फ फकीरचंद सांसी सलिन्दर कुमार उर्फ सुलेन्द्र सांसी पुत्र सरदारा सांसी, अजय कुमार पुत्र बजरंग लाल आसान सी समेत कुल 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से ट्रेनों से चोरी की हुई करीब 12 लाख रुपए की ज्वेलरी के अलावा ?15000 की नगदी और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों अभियुक्तों ने बताया कि पिछले काफी समय से यह लोग ट्रेनों में चोरी करने में मशगूल थे। यह लोग यात्रियों के बैग या ब्रीफकेस की चेन फेल कर बैग और ब्रीफकेस में रखे सामान को चोरी कर लिया करते थे। तीनों अभियुक्तों ने बताया कि इनके इस गैंग में अन्य लोग भी शामिल हैं। फिलहाल इनके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।उम्मीद है इनके अन्य साथियों को भी जल्द ही धर दबोचा जाएगा।